@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 1 जुलाई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 237 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'सेना में सेवा करना सौभाग्य'

विदाई के मौके पर जनरल द्विवेदी भावुक नजर आए

● रिटायरमेंट पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी बोले, सैनिक स्कूल से लेकर अब तक का सफर अविस्मरणीय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना में चार दशक से अधिक समय तक सेना की सेवा करने वाले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय थल सेना प्रमुख का पद छोड़ दिया। अब लेफ्टीनेंट जनरल धीरज सेठ ने नए सेना प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभाल ली। विदाई के मौके पर जनरल द्विवेदी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। उन्होंने सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और देशवासियों का आभार जताया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कार्यभार छोड़ने से पहले नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद आयोजित विदाई समारोह में उन्होंने अपने चार दशक लंबे सैन्य सफर को याद किया। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल से शुरू हुआ उनका सफर अविस्मरणीय रहा और भारतीय सेना की ताकत किसी एक

व्यक्ति से नहीं, बल्कि सैनिकों, कमांडरों, पूर्व सैनिकों और देशवासियों के विश्वास से आती है।

जनरल द्विवेदी ने अपने कार्यकाल को लेकर क्या कहा?

विदाई समारोह में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर उच्च स्तर की तैयारी, संतुलन और सतर्कता बनाए रखी। उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर 'ऑपरेशन स्नो लेपर्ड' के तहत सेना ने पूरी मजबूती और सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। वहीं पश्चिमी सीमा पर भी सेना ने संयम और दृढ़ता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना की क्षमता और प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के 'न्यू नॉर्मल' पर क्या बोले जनरल द्विवेदी?

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मुद्दे पर स्पष्ट उद्देश्य, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच तालमेल पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। उनके अनुसार, भविष्य का युद्ध संयुक्त, एकीकृत और थिएटर आधारित होगा। इसलिए तीनों सेनाओं को मिलकर देखना, निर्णय लेना और कार्रवाई करना होगा। उन्होंने इसे भारत की सुरक्षा रणनीति का नया सामान्य यानी 'न्यू नॉर्मल' बताया।

लेफ्टीनेंट जनरल धीरज सेठ को लेकर क्या कहा?

कार्यभार सौंपते हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने उत्तराधिकारी लेफ्टीनेंट जनरल धीरज सेठ पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि जनरल सेठ एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना नई ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं, पेशेवर उत्कृष्टता और परिचालन क्षमता को आगे भी बनाए रखेगी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि उन्हें सेना के भविष्य को लेकर पूरा भरोसा है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले का राजनीतिकरण करना ठीक नहीं : मायावती

● 'ऐसे लोगों को कतई बक्शा नहीं जाना चाहिए'

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी राम मंदिर में हुए चंदा चोरी पर जिंता जताई है। इसके साथ ही इस मामले पर राजनीति नहीं करने की भी अपील की है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,

'अयोध्या में श्रीराम मन्दिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेराफेरी आदि करने की मीडिया में आए दिन किस्म-किस्म की आ रही खबरें अति-गम्भीर व चिंतनीय हैं। ऐसे लोगों को कतई बक्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं है। साथ ही, अब यहां मंदिर में चढ़ावे को लेकर आगे कोई भी शिकायत न आये, इसके लिए देश के दूसरे विख्यात व प्रसिद्ध मंदिरों में चढ़ावे के हिसाब-किताब के लिए जो व्यवस्था है, उनका यहां अयोध्या में भी अनुसरण करके इस मामले को जल्द ही सुलझाना चाहिए।' बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, 'इतना ही नहीं देश में राजनीति का अपराधीकरण व अपराध का राजनीतिकरण तथा धर्म का राजनीतिकरण एवं राजनीति का अंध धर्मीकरण ना किया जाये तो यह सही व संवैधानिक होगा। बसपा की राजनीतिक पार्टियों को देश व जनहित में यही सलाह है और देशवासियों से भी अपील है कि इस मामले के राजनीतिकरण पर ध्यान न दें। '

राम मंदिर चोरी- अयोध्या पहुंचे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद: कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सोमवार देर रात अयोध्या स्थित एक होटल में रोक दिए जाने के बाद राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश अध्यक्ष को होटल पद्मश्री पैलेस में हाउस अरेस्ट कर दिया गया है। अजय राय मंगलवार को श्रीराम मंदिर में दर्शन करने और चढ़ावा चोरी के मामले की जानकारी लेने के लिए जाने वाले नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दिन पहले ही अयोध्या पहुंचे थे। प्रतिनिधिमंडल में सांसद और विधायक भी शामिल होने वाले हैं। इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी का आरोप है कि राम मंदिर जाने से रोका जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के अनुसार, अजय राय के नेतृत्व में सांसद तनुज पुनिया, किशोरी लाल शर्मा, राकेश राठौर, उज्ज्वल रमण सिंह तथा विधायक वीरेंद्र चौधरी का प्रतिनिधिमंडल रामलला के दर्शन के बाद साधु-संतों, प्रशासन, प्रबुद्ध वर्ग और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर मामले की जानकारी जुटाने वाला था। उत्तर प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल कल 30 जून को अयोध्या में प्रभु श्री राम के दर्शन-पूजन के लिए जाने वाला था। मैं अयोध्या पहुँचा ही था कि भाजपा सरकार इतनी डर गई कि पुलिस मुझे होटल से गिरफ़्तार कर अपनी जीप में बैठाकर ले जा रहीं है।

द्विशा शर्मा डेथ केस

अदालत ने सास गिरिबाला और पति की न्यायिक हिरासत 14 जुलाई तक बढ़ाई

एजेंसी

भोपाल । एक विशेष अदालत ने मंगलवार को मॉडल-एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में आरोपी रिटायर्ड न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 14 जुलाई तक बढ़ा दी। भोपाल सेंट्रल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उनकी पिछली न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद यह आदेश पारित किया। सुनवाई के बाद दोनों को अगली सुनवाई की तारीख तक न्यायिक हिरासत में रहने का निर्देश दिया गया। इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोपियों से आगे की हिरासत में पूछताछ की मांग नहीं की। एजेंसी मामले से जुड़े गवाहों के बयान दर्ज करने के अलावा दस्तावेजी, फोरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच करके अपनी जांच जारी रखे हुए है। मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा 12 मई को भोपाल में अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गईं। इस घटना में द्विशा के परिवार ने निष्पक्ष जांच की मांग की। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद जांच सीबीआई को सौंप दी।

पश्चिम बंगाल में कानून का राज भाजपा की राजनीति की भेंट चढ़ गया: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस (ममता बनर्जी गुट) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कानून का राज भाजपा की राजनीति की भेंट चढ़ गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सरकारी एजेंसियां बिना किसी सूचना के नागरिकों को उठा रही हैं। भाजपा के कार्यकर्ता तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं, उन्हें कमर में रस्सी बांधकर घुमा रहे हैं, उन पर पत्थर फेंक रहे हैं और उन्हें जानलेवा चोटें पहुंचा रहे हैं। भाजपा के गुंडे कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं और हर दिन पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा फैला रहे हैं। दिनदहाड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों और बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। तणमूल सांसद अभिषेक ने आरोप लगाया कि राजनीतिक पार्टियों को तोड़ा जा रहा है। बैंक खाते फ्रीज किए जा रहे हैं। विधायकों पर दबाव डाला जा रहा है, उन्हें धमकाया जा रहा है और पार्टी न बदलने पर झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। जो मौजूदा विधायक झुकने से इनकार करते हैं, उन्हें रातोंरात फंसा दिया जाता है और वे जेल में रहते हैं। अगर भाजपा सच में लोगों के जनादेश के दम पर बंगाल जीती है, तो वह इतनी डरी हुई क्यों है? यह सख्ती क्यों? विरोध की हर आवाज को दबाने की यह बेताब कोशिश क्यों? '

मुंबई में चलती स्कूल बस पर पेड़ गिरा:एक छात्र की मौत, 11 घायल; स्कूल से घर लौटते समय हादसा हुआ

मुंबई। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार दोपहर प्राइवेट स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया। बस में कुल 12 स्टूडेंट थे। उनमें से 11 का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं बस में फंसे 11 साल के छात्र विहान श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बाहर निकालकर

अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। स्कूल की छुट्टी के बाद प्राइवेट बस रोज की तरह बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। तभी रोड नंबर 11 पर सड़क किनारे लगे पेड़ की बड़ी डालियां बस की छत पर आ गिरीं, जिससे बस का अगला और बीच का हिस्सा बुरी तरह दब गया। पेड़ गिरते ही बस के अंदर मौजूद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग बस के पास पहुंचे। स्थानीय लोगों, पुलिस और फायर ब्रिगेड ने घायल बच्चों को बस से बाहर निकाला। मशीनों और कटर की मदद से पेड़ को काटा गया।

केतन हत्याकांड

सिया गोयल के वकील ने भाई साहिल को भेजा 10 करोड़ का मानहानि का नोटिस

एजेंसी

पुणे । केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब एक नया कानूनी विवाद सामने आया है। आरोपी सिया गोयल का वकील बताने वाले एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव ने सिया के भाई साहिल गोयल को 10 करोड़ रुपए की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि साहिल गोयल ने मीडिया के सामने उनके खिलाफ झूठे, भ्रामक और मानहानिकारक बयान दिए, जिससे उनकी पेशेवर छवि और प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा। कानूनी नोटिस में एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि सिया गोयल ने विधिवत वकालतनामा (अथॉरिटी लेटर) पर हस्ताक्षर कर उन्हें अपना कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त किया था। यह नियुक्ति किसी मौखिक दावे, मीडिया प्रचार या बिना अधिकार के नहीं हुई, बल्कि एक बालिग आरोपी द्वारा अपनी इच्छा से दी गई कानूनी अनुमति के आधार पर हुई है। नोटिस के मुताबिक, मूल हस्ताक्षरित वकालतनामा सक्षम अदालत में पहले ही दाखिल किया जा चुका है और जरूरत पड़ने पर संबंधित मंच या अदालत के सामने अन्य मूल दस्तावेज भी पेश किए जाएंगे। नोटिस में दावा किया गया कि एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव का वकालतनामा वडगांव मावल कोर्ट ने

एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव का कहना है कि साहिल गोयल के बयानों से लोगों के बीच यह गलत संदेश गया कि उन्होंने झूठा दावा करके आरोपी का वकील बनने की कोशिश की या बिना अधिकार के केस में दखल दिया।

स्वीकार कर रिकॉर्ड पर भी ले लिया है। इसके बावजूद साहिल गोयल ने कानूनी दस्तावेजों की जांच किए बिना और वकील से कोई बातचीत किए बिना सार्वजनिक रूप से उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाए।

नोटिस में कहा गया कि यह बेहद चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण है कि साहिल गोयल ने वकालतनामा की वैधता की पुष्टि किए बिना मीडिया में यह बयान दिया कि उन्हें परिवार की ओर से नियुक्त या अधिकृत नहीं किया गया था।

● वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में राजनाथ सिंह बोले

विकसित भारत की यात्रा में क्षेत्रीय उद्योगों की अहम भूमिका

'एक दशक में रक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है।'

एजेंसी

गुजरात । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में क्षेत्रीय उद्योगों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से मजबूत, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है। इसके लिए जरूरी है कि क्षेत्रीय क्षमताओं को राष्ट्रीय ताकत में बदला जाए और स्थानीय नवाचारों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक पहुंचाया जाए। रक्षा मंत्री मंगलवार को वडोदरा में आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' में उद्योगपतियों, उद्यमियों, युवा इनोवेटर्स और शिक्षाविदों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह और गुजरात सरकार की

महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. मनीषा भी मौजूद रहीं। राजनाथ सिंह ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में भारत की भूमिका उसकी आत्मनिर्भरता, तकनीकी क्षमता और सामूहिक संकल्प से तय होगी। उन्होंने कहा कि महान राष्ट्र तीन प्रमुख स्तंभों, आर्थिक मजबूती, तकनीकी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा, पर खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास देश की सुरक्षा को मजबूती देते हैं, जबकि सुरक्षित वातावरण उद्योग और नवाचार के विकास के लिए जरूरी होता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र का विकास केवल हथियारों और सैन्य तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बड़े औद्योगिक इकोसिस्टम को गति देता है। डिफेंस कॉरिडोर, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, रोजगार और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के माध्यम से देश की औद्योगिक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2025-26 के लिए एथेनॉल सप्लाई कोटे की मौजूदा व्यवस्था बरकरार रखी

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई-20) की योजना अभी परीक्षण (एक्सपेरिमेंट) के चरण में है और इस नीति का व्यापक प्रभाव अगले वर्ष तक अधिक स्पष्ट रूप से सामने आएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने 2025-26 के एथेनॉल सप्लाई वर्ष के लिए एथेनॉल आवंटन (कोटा) की मौजूदा व्यवस्था को फिलहाल यथावत बनाए रखने का अंतरिम आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने यह अंतरिम आदेश केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। इन याचिकाओं में कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें हाई कोर्ट ने तेल कंपनियों को एक एथेनॉल निर्माता कंपनी की उस मांग पर विचार करने का निर्देश दिया था, जिसमें उसने चालू सप्लाई वर्ष के लिए अपने एथेनॉल कोटे में वृद्धि की मांग की थी। सुनवाई के दौरान भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल ने दलील दी कि कर्नाटक हाई कोर्ट का आदेश देश की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति को अस्थिर कर सकता है और इससे पूरी नीति के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

अटॉर्नी जनरल ने कहा कि किसी भी एथेनॉल निर्माता कंपनी का अधिक एथेनॉल कोटा पाने पर कोई कानूनी अधिकार नहीं बनता। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत को ऐसा कोई आदेश नहीं देना चाहिए, जिससे सरकार की नीतिगत व्यवस्था में बदलाव जैसा प्रभाव पड़े।

जापान की प्रधानमंत्री का तीन दिवसीय भारत दौरा

2 जुलाई को पीएम मोदी के साथ करेंगी शिखर वार्ता

तीन दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन, 3 जुलाई को सुबह 11 बजे जापान की प्रधानमंत्री टोक्यो के लिए रवाना होंगी।

एजेंसी

नई दिल्ली । जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची 1 से 3 जुलाई, 2026 तक अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत में रहेंगी। इस दौरान वह 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई गति देना है। विदेश मंत्रालय ने जापानी पीएम के कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया है। इसके अनुसार, प्रधानमंत्री ताकाइची 1 जुलाई की शाम 7 बजे नई दिल्ली के वायु सेना स्टेशन (एएफएस) पालम पहुंचेंगी, जहां उनका आधिकारिक स्वागत किया जाएगा। 2 जुलाई को सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित होगा। इसके बाद सुबह 11:30 बजे हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी। दोनों नेता रक्षा, आर्थिक सुरक्षा, व्यापार, निवेश, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), दूरसंचार

और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। बैठक के बाद दोपहर 1:10 बजे दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री ताकाइची संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी करेंगे। दोपहर 3 बजे प्रधानमंत्री ताकाइची नई दिल्ली के होटल ताज पैलेस में आयोजित भारत-जापान बिजनेस फोरम में भाग लेंगी, जहां दोनों देशों के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में निवेश, व्यापार और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहने की संभावना है। 16वें शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख उद्देश्य 'आर्थिक सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा' को आगे बढ़ाना भी है, जिस पर पिछले साल ही हस्ताक्षर किए गए थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते का मकसद दोनों देशों की रक्षा क्षमताओं और सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। इसके लिए दोनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, साझा अभ्यास और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

रालोद संसदीय बोर्ड का गठन, पूर्व सांसद केसी त्यागी बने अध्यक्ष

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने मंगलवार को पार्टी के संसदीय बोर्ड का गठन किया। तीन महीने पहले ही पार्टी में शामिल हुए पूर्व सांसद केसी त्यागी को इसका अध्यक्ष बनाया है। संसदीय बोर्ड में पार्टी के दिग्गज नेता, सासंद, पूर्व सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक के साथ खुद जयंत चौधरी बतौर सदस्य शामिल हैं। इस बोर्ड में उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली समेत कई राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है। रालोद की उत्तर प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ सदस्यों में हरियाणा से सेवानिवृत्त मेजर जनरल बिशम्बर दयाल, पूर्व सांसद तारीफ सिंह, उप्र के पूर्व सांसद मुंशी राम, उप्र के पूर्व मंत्री अशोक यादव, उप्र के पूर्व सांसद मलूक नागर, सांसद के बागपत राजकुमार सांगवान, विधायक राजपाल बलियान शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक राजस्थान अब्दुर सगीर खान, विधान परिषद सदस्य योगेश चौधरी, विधायक राजस्थान सुभाष गर्ग, आगरा के डॉ. यशपाल बघेल, लखनऊ के अनिल दुबे, मुजफ्फरनगर की रमा नागर और बड़ौत चेयरमैन बबीता तोमर भी इस बोर्ड में बतौर सदस्य शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में हादसों का कहर : 9 की मौत, 22 घायल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दो अलग-अलग हादसों ने राज्य को स्तब्ध कर दिया, जिसमें कम से कम 9 लोगों की जान चली गई और 22 अन्य घायल हो गए। इन दुखद घटनाओं में एक भीषण बस दुर्घटना और तूफान के कारण पेड़ गिरने का हादसा शामिल है। पहला हादसा सुबह मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ, जब एक डबल-डेकर स्लीपर बस ट्रक से टकरा गई। राया पुलिस स्टेशन इलाके में हुई भीषण टक्कर में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ से नोएडा जा रही बस में करीब 65 यात्री सवार थे। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मृतकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है, वहीं हादसे के कारणों की जांच जारी है। एक अलग और उतनी ही हृदय विदारक घटना में, फिरोजाबाद जिले में एक ई-रिक्शा पर अचानक एक बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। यह हादसा तब हुआ जब एटा ज़िले के आवागढ़ से फरिहा जा रहे ई-रिक्शा पर ज़ोरदार तूफ़ान के दौरान सड़क किनारे खड़ा पेड़ आ गिरा, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। पेड़ गिरने से ई-रिक्शा बुरी तरह पिचक गया और उसमें सवार सभी आठ यात्री अंदर ही फंस गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और जेसीबी मशीन की मदद से पेड़ को हटाकर पीड़ितों को बाहर निकाला। घायलों को सरकारी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही गजेंद्र (28), हरेश पाल (59), विष्णु (20), अमन (17) और गंगा सिंह (65) नामक पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। तीन घायलों का ज़िला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्कूल बस पर गिरा विशाल पेड़, छात्रा की मौत, 10 बच्चे घायल

-चेंबूर में बारिश और तेज हवा के बीच हुआ हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूल बस पर अचानक एक विशाल पेड़ गिर गया। इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्कूल बस पेड़ के नीचे खड़ी थी। बस में कुल 13 छात्र सवार थे। इसी दौरान लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण कमजोर हो चुका एक बड़ा पेड़ अचानक बस पर गिर पड़ा। हादसा इतना अचानक हुआ कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पेड़ गिरने के बाद बस के भीतर कई छात्र फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस, दमकल विभाग और बचाव टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने पेड़ को काटकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान भारी मशीनों और उपकरणों की मदद ली गई। हादसे में घायल बच्चों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जैन अस्पताल सहित अन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक छात्रा की इस हादसे में मृत्यु हो गई, जबकि अन्य बच्चों का उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का आरोप है कि उन्होंने पहले भी संबंधित अधिकारियों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को इलाके के पुराने और कमजोर पेड़ों की छंटाई तथा रखरखाव को लेकर कई बार शिकायत की थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व महापौर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता किशोरी पेडणेकर ने पेड़ों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम से पहले कमजोर और पुराने पेड़ों की जांच तथा छंटाई अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित क्षेत्र के उद्यान विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि समय पर निरीक्षण और रखरखाव से इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता था। लगातार हो रही बारिश के बीच मुंबई में पेड़ों के गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं।

शिंदे का ऑपरेशन टाइगर जारी : यूबीटी के एमएलसी सचिन अहीर पाला बदलकर शिंदे गुट में

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को फिर बड़ा झटका लगा है। पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हुए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर भरा है। इस नए घटनाक्रम ने उपमुख्यमंत्री शिंदे की राजनीतिक रणनीति को फिर सुर्खियों में ला दिया है। उनकी रणनीति को अक्सर ऑपरेशन टाइगर के नाम से जाना जाता है, जिसके तहत वे लगातार उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) सहित अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को अपनी ओर खींच रहे हैं। सचिन अहीर के पाला बदलने से महाराष्ट्र की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है और यह उद्धव ठाकरे के लिए एक और चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी को एकजुट रखने का दबाव उन पर बढ़ता जा रहा है।

हाईकोर्ट जाइएज्भरत तिवारी एनकाउंटर केस सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीधे सुनवाई से इंकार कर संबंधित हाईकोर्ट जाने को कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से मना किया। यह याचिका भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी। याचिका में दावा था कि भरत तिवारी का एनकाउंटर फर्जी था, और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करने की मांग की गई थी। साथ ही, याचिकाकर्ता ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश देने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि कानून के राज और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना जरुरी है। इसके लिए जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में बनी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति करे। वहीं पुलिस का दावा है कि भरत तिवारी एक आपराधिक मामले में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान उनकी मौत हो गई।

शरद पवार-कांग्रेस विलय: 27 साल बाद कांग्रेस में 'घर वापसी', शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है।

27 साल बाद 'घर वापसी' की तैयारी?

सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (NCP) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (NCP-SP) महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

हाल के झटकों से पार्टी चौकन्ना

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फ़ैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने NCP (शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) में शामिल होने के पक्ष में है। उनका तर्क है कि पार्टी की संसदीय ताकत उसे NDA का हिस्सा बनने में मदद कर सकती है।

एनडीए बनाम कांग्रेस विलय पर आंतरिक मतभेद

इस खेमे के नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी NDA के साथ ही बने रहा जाए, क्योंकि वे पहले से ही इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

खामेनेई की मौत : प्रियंका चतुर्वेदी और कंचन गुप्ता के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को अंतिम विदाई देने के बाद भी भारत में उनकी मौत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता के बीच मामले पर तीखी बहस छिड़ गई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत सरकार पर खामेनेई की मौत पर आधिकारिक चुप्पी साधने का आरोप लगाया है, जबकि कंचन गुप्ता ने गलत जानकारी बताकर पलटवार किया है। कंचन गुप्ता ने पोस्ट कर शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 28 फरवरी को अपने ईरानी समकक्ष से बात की थी, जिस दिन पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ था। इसके अतिरिक्त, विदेश सचिव ने 5 मार्च को ईरानी दूतावास का दौरा किया था, तभी जब दूतावास ने शोक-संदेश पुस्तिका खोली थी। गुप्ता ने कहा कि ये दोनों बातें सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं और विदेश मामलों में गहरी रुचि रखने वाली पूर्व सांसद के लिए अपनी बात को सही साबित करने के लिए मनगढ़ंत तथ्य गढ़ना शोभा नहीं देता। जवाब में, प्रियंका चतुर्वेदी ने कंचन गुप्ता के बयान को आधी-अधूरी बात बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मूल पोस्ट खामेनेई की मौत पर भारत सरकार द्वारा शोक व्यक्त न करने के बारे में थी। उन्होंने 28 फरवरी को जयशंकर के उस ट्वीट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने इजरायल और ईरान के विदेश मंत्रियों से बात करके संयम बरतने की अपील की थी, लेकिन खामेनेई की मौत के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा था। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने कहा कि जब तक विदेश सचिव ने शोक संदेश वाली किताब में संदेश नहीं लिखा, तब तक भारत सरकार ने उनकी मौत पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 1 मार्च को नेतन्याहू से बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें खामेनेई की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमले से अंतरराष्ट्रीय निंदा, भारत ने दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किए गए हवाई हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरी चिंता पैदा की है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 163 अन्य घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने पुष्टि की कि कई घरों को निशाना बनाया गया, जिससे मरने वालों में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने घटना पर गहरी चिंता जताकर नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सभी पक्षों से हिंसा छोड़कर कूटनीति का रास्ता अपनाने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने की अपील की। यूरोपीय संघ ने भी संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक रिचर्ड बेनेट ने निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की, जबकि ब्रिटेन के विशेष दूत रिचर्ड लिंडसे ने बढ़ती हिंसा पर दुख व्यक्त कर शांति की अपील की।

इस बीच, भारत ने पाकिस्तान के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पाकिस्तान की खुली आक्रामकता अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने अटूट समर्थन जताकर और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जवाबी कार्रवाई में, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के चार्जे डी' अफेयर्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने और नागरिकों के घरों पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। अफगानिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं के लिए लंबे समय से अफगानिस्तान को दोषी ठहरा रहा है, और सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि बातचीत से समाधान निकालने का आग्रह किया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला

–सुप्रिया श्रीनेत ने कहा– '2024 में अयोध्या ने सबक सिखाया, लेकिन भाजपा ने नहीं सीखा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राजनीतिक गलियारा लगातार गरमाता जा रहा है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी मामले में सफाई देने और स्थिति स्पष्ट करने में जुटी है, वहीं विपक्षी दल केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बने हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ पार्टी ने आरोप लगाया कि लोगों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से यह संदेश फैलाया जा रहा है कि भगवान राम स्वयं सब देख रहे हैं और इस मामले को लेकर विपक्ष को बोलने की आवश्यकता नहीं है। सुप्रिया श्रीनेत ने अपने बयान में कहा, भाजपा हिंदू समाज में उत्पन्न नाराजगी और आक्रोश को शांत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम सब देखते हैं और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या की जनता ने भाजपा को हराकर एक संदेश दिया था, लेकिन पार्टी ने उससे कोई सबक नहीं लिया।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और उनसे जुड़े संगठनों ने भगवान राम की भावनाओं को समझने में भूल की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रावण ने भगवान राम को कमतर आंकने की गलती की थी, उसी प्रकार भाजपा ने भी जनता की भावनाओं को नजरअंदाज किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा, कथित अनियमितताओं के मामले में लीपापोती या जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच और गिरफ्तारियों को लेकर हाल के दिनों में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा की ओर से विभिन्न स्तरों पर सफाई दी जा रही है।

राम मंदिर चंदा घोटाले पर मायावती सख्त, कार्रवाई और सिस्टम बदलने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की और साथ ही मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी दी। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, गबन और हेराफेरी की मीडिया रिपोर्टें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने मामले का राजनीतिकरण करने को भी अनुचित बताया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने भविष्य में ऐसी शिकायतों को रोकने के लिए देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में जारी अकाउंटिंग प्रणाली को अपनाने का सुझाव दिया, ताकि मामले को जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। उन्होंने अपराध, राजनीति और धर्म को आपस में न मिलाने की चेतावनी देकर कहा कि यही उचित होगा और संविधान के अनुरूप होगा। यह बयान अयोध्या पुलिस और राज्य सरकार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की चल रही जांच के बीच आया है। मामले में अब तक दान की नकदी की गिनती से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, मंदिर प्रबंधन से जुड़े उच्च-स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

इस बीच, पुलिस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ताओं ने उनसे प्रशासनिक फैसलों और दान के प्रबंधन से जुड़े कई अहम सवाल पूछे। चंपत राय ने दान की चोरी में अपनी भूमिका से इंकार किया है। पुलिस अब उनके बयान की तुलना अन्य गवाहों और सबूतों से करेगी। एसआईटी जुलाई के पहले सप्ताह में अपनी जांच पूरी कर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

चुनाव के बाद टीएमसी में बगावत.... खुद को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

–वेणुगोपाल ने दिए संगठन को मजबूत करने के आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने हाल ही में पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा कर पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने राज्य के नेताओं को आगामी विधानसभा उपचुनावों और निकाय चुनावों से पहले पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के निर्देश दिए है। यह दौरा राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने दौरे के दौरान जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों और पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में हालिया चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा हुई और पश्चिम बंगाल के मौजूदा राजनीतिक हालात पर गंभीर चर्चा हुई। इन महत्वपूर्ण बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर, पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, पार्टी सचिव अंबा प्रसाद सहित कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी शिरकत की। बैठकों में कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय बनने पर जोर दिया गया। वेणुगोपाल ने बूथ और प्रखंड स्तर की समितियों को मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी विधानसभा उपचुनावों के साथ-साथ नगर पालिका व नगर निगम चुनावों के लिए संगठन को पूरी तरह तैयार करने पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि पार्टी को जनता के बीच अपनी उपस्थिति और पकड़ को मजबूत करना होगा। पार्टी ने आगामी 21 जुलाई को प्रदेश कांग्रेस के प्रस्तावित 'शहीद मीनार चलो' कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की और पार्टी कार्यकर्ताओं से इसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। इसके अतिरिक्त, वेणुगोपाल ने प्रदेश इकाई से देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और 9 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाली इसकी समापन रैली के लिए विद्यार्थियों और युवाओं को एकजुट करने का भी आग्रह किया। यह सभी प्रयास पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के पुनरुत्थान और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल जमानत नहीं, गंभीर स्वास्थ्य बिगड़ने पर विचार

–राजस्थान सरकार तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में आसाराम बापू की जमानत याचिका पर तत्काल कोई राहत देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की बेंच ने राजस्थान सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आसाराम ने जोधपुर में नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि वह राज्य का पक्ष सुने बिना या जब तक आसाराम की सेहत स्पष्ट रूप से बेहद गंभीर न हो जाए, जमानत देने के पक्ष में नहीं है।

यह मामला अगस्त 2013 का है, जब आरोप लगा था कि आसाराम बापू के जोधपुर आश्रम में नाबालिग भक्त को गलत तरीके से बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न किया था। एक ट्रायल कोर्ट ने आसाराम बापू को रेप और संबंधित अपराधों के लिए दोषी माना था, जिसकी सजा को साल 2026 मई में राजस्थान हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने आपराधिक साजिश और गैंग रेप के आरोपों से आसाराम और सह-आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

आसाराम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से उनकी मेडिकल कंडीशन पर विचार करने की अपील की। वकील नायडू ने बताया कि आसाराम अब 90 साल के हैं और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनका इलाज आयुर्वेदिक अस्पताल में हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रायल को लेकर चिंता जताकर कोर्ट को ही अपनी एकमात्र उम्मीद बताया।

राजस्थान सरकार के वकील ने किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह मामला एक नाबालिग पीड़िता से जुड़ा है और आसाराम को आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर उन्हें जमानत पर रिहा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में निर्देश दिया कि आसाराम को दी जा रही मेडिकल सुविधाएं जारी रह सकती हैं। बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत के सवाल पर राज्य का पक्ष सुनने के बाद ही विचार होगा। हालांकि, कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि अगर आसाराम की तबीयत बेहद गंभीर हो जाती है और जान बचाने की नौबत आती है, तब तत्काल राहत के लिए मामले का उल्लेख किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

सप्तपदी के बिना हिंदू विवाह अमान्य, चाहे वैध सर्टिफिकेट हो: गुजरात हाईकोर्ट

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निर्धारित आवश्यक रस्में, जैसे कि सप्तपदी (सात फेरे) के बिना, सिर्फ एक पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र किसी हिंदू शादी को वैध नहीं बना सकता। जस्टिस इलेश जे वोरा और आरटी वछानी की खंडपीठ ने कहा कि विवाह प्रमाण पत्र केवल उस शादी का सबूत है जो पहले ही सही ढंग से संपन्न हुई है, यह ऐसी शादी को वैध नहीं करता जिसमें निर्धारित रस्में कभी निभाई नहीं गई।

गुजरात कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर बताया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत, हिंदू शादी दोनों में से किसी भी पक्ष के रीति-रिवाजों और रस्मों के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। यदि इन रस्मों में सप्तपदी शामिल है, तब शादी सातवें कदम के बाद ही पूर्ण और कानूनी रूप से मान्य होती है। कोर्ट ने कहा कि संपन्न शब्द का अर्थ है कि शादी सही तरीके से और ज़रूरी रस्मों के साथ होनी चाहिए, जिनके बिना कानून की नज़र में कोई वैध हिंदू शादी नहीं मानी जाती।

यह मामला यूनाइटेड किंगडम निवासी एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा था। व्यक्ति ने दावा किया कि मुझे एक महिला के साथ अपनी कथित शादी का तब पता चला जब वह शादी का सर्टिफिकेट लेकर उसके माता-पिता के पास पहुंची। शख्स ने आरोप लगाया कि उसने कभी उस महिला से शादी नहीं की, न कोई हिंदू रीति-रिवाज या रस्में निभाईं, और न ही कभी पति-पत्नी के तौर पर साथ रहा। शख्स ने आरोप लगाया कि मुझसे धोखे से शादी के कागजात पर दस्तखत कराए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान महिला ने खुद लिखित में स्वीकार किया कि शादी की कोई रस्म या समारोह नहीं हुआ था और दोनों के बीच पति-पत्नी का कोई रिश्ता नहीं था। इन स्वीकारोक्तियों के बावजूद, फैमिली कोर्ट ने शादी को अमान्य घोषित करने से इंकार किया था, यह मानते हुए कि पंजीकृत प्रमाण पत्र के कारण पूरी सुनवाई की आवश्यकता है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब महिला ने स्वयं मान लिया है कि हिंदू शादी की आवश्यक रस्में कभी नहीं निभाई गईं, तब दोनों पक्षों को लंबी सुनवाई से गुजरने के लिए मजबूर करने का कोई कारण नहीं है। बेंच ने कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 8 के तहत पंजीकरण केवल कानूनी तौर पर हुई शादी का सबूत देता है; यह अपने आप में पति-पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता। हाईकोर्ट ने सप्तपदी के महत्व का जिक्र कर कहा कि हिंदू शादी एक संस्कार है, न कि केवल गाने-बजाने या खाने-पीने का मौका, और न ही यह कोई कारोबारी लेनदेन है, यह एक पवित्र संस्था है। इस कारण, कोर्ट ने उस कथित शादी को अमान्य घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता को शादी के पंजीकरण और प्रमाण पत्र को रद्द करवाने के लिए संबंधित अधिकारी के पास जाने की इजाज़त दे दी।

भाई की हत्या कर अपराध की दुनिया में आया शब्बीर, हाशिम बाबा-अनवर चाचा गिरोह से जुड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली और यमुना पार क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित अपराध गिरोह के सरगना को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान गैंगस्टर शब्बीर अली उर्फ शब्बीर चौधरी के तौर हुई है जो अप्रैल 2025 से मकोका के एक मामले में फरार था। विशेष प्रकोष्ठ के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि खुफिया जानकारी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी चौधरी को 14 जून को हरियाणा के शंभू बॉर्डर से पकड़ा गया तथा उसके पास से एक कार और एक स्कूटी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि इस मकोका मामले में गिरोह के नौ सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारी के अनुसार, चौधरी शब्बीर चौधरी-हाशिम बाबा-अनवर चाचा गिरोह का सरगना है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह मुख्य रूप से सीलमपुर, भजनपुरा, मौजपुर, शाहदरा और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में रंगदारी, हत्या, हत्या के प्रयास और जमीन कब्जाने जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त है। इसके सदस्य नेपाल और दुबई से भी अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मूल रूप से मुजफ्फरनगर के रहने वाले चौधरी ने 1990 के दशक के मध्य में सीलमपुर निवासी हाजी अफजाल के साथ मिलकर अपराध की दुनिया में प्रवेश किया और उत्तर पूर्व दिल्ली और एनसीआर के क्षेत्र में गोलीबारी, हत्या और गिरोह प्रतिद्वंद्विता के कई मामलों में शामिल हो गया। पुलिस ने बताया कि 2008 में अपने भाई शमीम अहमद की हत्या के बाद, उसने अपनी आपराधिक गतिविधियां तेज कर दीं और जेल में रहने के दौरान, वह हाशिम बाबा और अनवर खान उर्फ चाचा सहित कई कट्टर अपराधियों के संपर्क में आया।

मोबाइल फोन की नीली रोशनी से धुंधली पड़ रही जिंदगी, स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा नकारात्मक असर

अलीगढ़। रात में सोने से पहले सोशल मीडिया स्क्रॉल करना नींद और सेहत दोनों पर भारी पड़ रहा है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के प्राणी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा 119 पीजी और पीएचडी विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि मोबाइल की नीली रोशनी न सिर्फ नींद छीन रही है बल्कि स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डाल रही है। अध्ययन में 24-29 वर्ष आयु वर्ग के यूनिवर्सिटी के 119 पीजी और पीएचडी विद्यार्थियों को शामिल किया गया। अध्ययन के दौरान मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन डीएएसएस-21 के माध्यम से किया गया, जबकि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हृदय गति, रक्त में ऑक्सीजन का स्तर, सिस्टोलिक और डायस्टोलिक रक्तचाप की जांच की गई। इनसे मिलने वाले आंकड़ों का विश्लेषण आईबीएम एसपीएसएस स्टेटिक्स-25 और जुपिटर नोटबुक जैसे आधुनिक सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर की मदद से किया गया। वैज्ञानिक डॉ. काशिफ अब्बास, डॉ. नजूरा उस्मानी, डॉ. खुशहाल अहमद, डॉ. सफिया हबीब, डॉ. मोहम्मद मुस्तफा, डॉ. मुदस्सिर आलम, डॉ. शहाब कौसर की अध्ययन रिपोर्ट जर्नल स्प्रिंग नेचर में छपी है। डिजिटल वेलनेस, संतुलित सोशल मीडिया उपयोग, स्क्रीन टाइम नियंत्रण और स्लीप हाइजीन (स्वस्थ नींद की आदतों) को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम शुरू किए जाएं। समय पर जागरूकता और उचित हस्तक्षेप से मानसिक व शारीरिक समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। - प्रो. शाह आलम, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग एएमयू अध्ययन में यह बात सामने आई कि जो पीएचडी विद्यार्थी सोने से पहले लंबे समय तक सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, उनकी नींद का प्राकृतिक चक्र बाधित हो जाता है। परिणामस्वरूप उनमें अवसाद, चिंता और तनाव के स्तर में वृद्धि देखी गई। खराब नींद और अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करते हैं, जिससे व्यक्ति की कार्यक्षमता, एकाग्रता और भावनात्मक संतुलन भी कमजोर पड़ने लगता है। मानसिक तनाव बढ़ने के साथ शरीर में भी कई बदलाव देखे गए। अवसाद और चिंता से ग्रस्त प्रतिभागियों के रक्त में ऑक्सीजन का स्तर अपेक्षाकृत कम था, जबकि हृदय गति और रक्तचाप अधिक दर्ज किए गए। लगातार खराब नींद और बढ़ता तनाव भविष्य में हृदय रोगों सहित अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। मानसिक तनाव बढ़ने के साथ शरीर में भी कई बदलाव देखे गए। अवसाद और चिंता से ग्रस्त प्रतिभागियों के रक्त में ऑक्सीजन का स्तर अपेक्षाकृत कम था, जबकि हृदय गति और रक्तचाप अधिक दर्ज किए गए। लगातार खराब नींद और बढ़ता तनाव भविष्य में हृदय रोगों सहित अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, ट्रक में घुसी स्लीपर बस; चालक समेत दो की मौत, 40 घायल

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के थाना नगला खंगर क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किलोमीटर 63 आरएचएस पर बृहस्पतिवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। लखनऊ से करीब 60 सवारियों को लेकर चंडीगढ़ जा रही स्लीपर बस ने ओवरस्पीड होने के कारण आगे जा रहे ट्रक-ट्रेलर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस चालक और उसके पास केबिन में बैठे एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 40 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सप्रेस-वे के सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद पांडेय ने बताया कि कानपुर से लोहे के रोल लादकर जयपुर की ओर जा रहे ट्रक-ट्रेलर को चालक जीतू निवासी गंदेर, भीलवाड़ा, राजस्थान चला रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्लीपर बस ने उसे पीछे से टक्कर मारी। दुर्घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही यूपीडा गश्ती दल, डायल 112, थाना नगला खंगर पुलिस, सिरसागंज से फायर ब्रिगेड की गाड़ी और क्षेत्राधिकारी सिरसागंज तत्काल मौके पर पहुंचे। बस का चालक गुरी निवासी पारसो, पंजाब स्टीयरिंग और केबिन के बीच में बुरी तरह फंस गया था। पुलिस और यूपीडा की एटलस सेफ्टी टीम ने रिकवरी वैन, हाइड्रा और जेसीबी मशीन की मदद से भारी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल चालक गुरी और केबिन में बैठे व्यक्ति सहित अन्य नाजुक घायलों को एसएसडी एंबुलेंस व 108 एंबुलेंस के जरिए पीजीआई सैफई और संयुक्त चिकित्सालय भेजा गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। घायल करीब 30 से 40 यात्रियों को सीएचसी शिकोहाबाद और अन्य नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों की मदद और बेहतर उपचार सुनिश्चित कराने के लिए सहायक सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह और एएसओ अशोक कुमार मिश्रा को अस्पतालों में तैनात किया गया है। सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर पर्याप्त दूरी पर सुरक्षा उपकरण व संकेत लगाकर राहत कार्य शुरू किया गया। वर्तमान में कार लेन और ओवरटेक लेन के जरिए यातायात को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। बस में सवार सुरक्षित यात्रियों को प्रशासन द्वारा अन्य बसों का इंतजाम कर उनके गंतव्य चंडीगढ़ के लिए रवाना कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार घायलों की विस्तृत सूची तैयार की जा रही है।

NAME CHANGE
I, PURSHOTAM SINGH, S/O SUBA RAM, R/O HOUSE NO-1476/3,STREET NO-6, NEAR AIRFORCE SCHOOL,RAJIV NAGAR,GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO PURSHOTAM SINGH DOGRA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, VARUN KUMAR KATARIYA, S/O JAI BHAGWAN, R/O WZ-689, NARAINA VILLAGE, DELHI-110028, HAVE CHANGED MY NAME TO VARUN FOR FUTURE ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, AFROZ JAHAN W/O MEHBOOB ALI KHAN residing at 10, SATUNE SANG, RAMPUR CITY, UTTAR PRADESH 244901, have changed my name to AFROJ JAHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I AMRIT KUMAR SINGH S/o Late Shri RAM AKBAL SINGH, R/o Flat No. B-4, First Floor, D-214, D – Block, Krishna Park, Devli Road, Devli, PO: Dr. Ambedkar Nagar, Dist : South Delhi, Delhi - 110080, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as AMRIT SINGH and NAMITA DEVI in my minor son RUDRA PRATAP SINGH aged 10 years in his School Record and the name of my minor son has been Wrongly Written as RUDRAPRATAP SINGH in his Aadhar Card No. 2031 7900 1246. The actual name of mine , my wife and my minor son are AMRIT KUMAR SINGH , NAMITA SINGH and RUDRA PRATAP SINGH which may be amended according.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मोहिंदर सिंह, निर्मित संपत्ति संख्या IX/1528, एम.पी.एल. संख्या 487/6, प्लॉट संख्या 163-A पर निर्मित, क्षेत्रफल 88.5 वर्ग गज (73.99 वर्ग मीटर), जो कुल क्षेत्रफल 265.50 वर्ग गज (221.97 वर्ग मीटर) में से है, खसरा संख्या 641/552/1/2/2/4/5/3, खेवट संख्या 185 एवं खतौनी संख्या 381 में स्थित तथा मुख्य सड़क, गांधी नगर की आबादी, ग्राम सीलमपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110031 के राजस्व क्षेत्र में स्थित संपत्ति के पूर्वी भाग के स्वामी हैं। उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री सोहन सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 27.05.1968 की दो विक्रय विलेखों (Sale Deeds) के माध्यम से उक्त संपत्ति अर्जित की थी। तत्पश्चात, उन्होंने दिनांक 08.11.1978 के नोटरीकृत सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विक्रय अनुबंध (ATS) एवं वसीयतनामा (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री करतार सिंह के पक्ष में हस्तांतरित कर दी। इसके उपरांत, श्री करतार सिंह ने दिनांक 25.09.1998 को एक पंजीकृत वसीयतनामा (Registered Will) निष्पादित किया, जिसके द्वारा उन्होंने उक्त संपत्ति श्री मोहिंदर सिंह, श्री पोपिंदर सिंह एवं श्री प्रताप सिंह के पक्ष में वसीयत की। दुर्भाग्यवश, श्री करतार सिंह का दिनांक 19.09.2009 को निधन हो गया। तत्पश्चात, श्री मोहिंदर सिंह, श्री पोपिंदर सिंह एवं श्री प्रताप सिंह ने दिनांक 04.10.2021 के विभाजन विलेख (Partition Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति का आपसी बंटवारा कर लिया। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार अथवा बंधक (Encumbrances, Liens, Charges and Mortgages) से मुक्त है तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति का कब्जा श्री मोहिंदर सिंह के पास है। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Ltd.), शाखा-बिल्डिंग नंबर 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHER DEEN S/O MOHAMMAD BABUDEEN residing at H NO-165/6, GALI NO-19, BRIJ VIHAR COLONY, MURADNAGAR, JALALABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201206 have changed my name to MOHD SHER DEEN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAMIMA KHATOON W/O MOHD SHER DEEN residing at H NO-165/6, GALI NO-19, BRIJ VIHAR COLONY, MURADNAGAR, JALALABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201206 have changed my name to SAMIMA all future purposes.

NAME CHANGE
I, UDREJ BHADURI SINGH father of No-15225798N, Rank-NK, Name-SHESH KUMAR SINGH residing BALIPUR PARSAN, CHAMRUPUR SHUKLAN, LALGANJ, PRATAPGARH, AJGARA, UTTAR PRADESH-230144 have changed my name UDREJ BHADURI SINGH to UDREJ BAHADUR SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAKEEL S/o Nasruddin R/o 1777, Katra Abdul Wahid Hauz Suiwalan, Matia Mahal, Darya Ganj, Delhi-110002, have changed my name to MOHD SHAKIL permanently.

NAME CHANGE
I, ALIYA PARVEEN W/o Mohd Shakil R/o 1777, Suiwalan, Gali Mo.Hanif, Matia Mahal, Darya Ganj, Delhi-110002, have changed my name to ALIYA BEGUM permanently

NAME CHANGE
I, SHAHEEN PARVEEN W/o Zahir Ul Hasan R/o 3167, F/F, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Delhi-110002, have changed my name to SHAHEEN BEGUM permanently

NAME CHANGE
I, AARIT S/O HARI SINGH residing at H NO-2/60, DAIRY ARAM BAGH, PAHARGANJ, CENTRAL DELHI, DELHI-110055 have changed my name to AARIT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RANJANA W/O AARIT SINGH residing at H NO-2/60, DAIRY ARAM BAGH, PAHARGANJ, CENTRAL DELHI, DELHI-110055 have changed my name to RANJANA SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ABDUL REHMAN S/O MOHAMMAD SADDIQ SURESHI residing at H NO-C-106/2, STREET NO-22, ZAKIR NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ABDUL REHMAN QURESHI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AASMA BEGUM W/O ABDUL REHMAN QURESHI residing at H NO-C-106/2, STREET NO-22, ZAKIR NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ASMA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, TASFIYA D/O ABDUL REHMAN QURESHI residing at H NO-C-106/2, STREET NO-22, ZAKIR NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to TASFIYA QURESHI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VEERANKI TEJASWI wife of NO-2616710L, Rank-HAV, Name-SUBBARAO PULIVARTHI, residing at 2-22/1, VPO-AMRUTHALUR, TEHSIL & DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522325, have changed my name from VEERANKI TEJASWI to PULIVARTHI TEJASWI for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GANGAPPA father of No-23102957K, Rank-SEP, Name-CHETAN ROTI residing at VPO-SUTGATTI, TEHSIL-BAILHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591147, have changed my name GANGAPPA to GANGAPPA K ROTTI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHABANA WARSI W/o MOHAMMAD AHMAD r/o G-35/B TOP FLOOR ABUL FAZAL ENCLAVE-1, JAMIA NAGAR, DELHI-110025. Have changed my name to SHABANA AHMAD.

NAME CHANGE
I NAIMUDDEN S/o Salauddin R/o D-82/38, GALI NO-9, MOHAN PURI, MAUJPUR, DELHI-110053. Have changed my name to NAIMUDDIN.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Bimlesh** in respect of **Built Up Property No. 317, area measuring 75.250 Sq. Meter, i.e. 90 Sq. Yds., Out of Khasra No. 910/466, situated at Village Haiderpur, Delhi.,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, SINDHOORA S wife of JC-442266F, Rank-SUB, Name-SAJEESH P, residing at VILL-KAKKAD, PO-KARASSERY, TEHSIL-CALICUT, DIST-KOZHIKODE, KERALA-673602, have changed my name from SINDHOORA S to SINDHURA S for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANJU RANI W/o Sanjay Kumar R/o 14/360, DDA Flats, Madangir, Dr. Ambedkar Nagar, Delhi-110062, have changed my name from ANJU RANI to ANJU permanently.

NAME CHANGE
I, NO-2614643M, Rank-HAV, Name-UMESH KILARAGI, legal father of YUVIKA residing at VPO-SULDHAL, TEHSIL-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591101, have changed my minor daughter's name from YUVIKA to YUVIKA KILARAGI for all future purposes vide affidavit dated 30/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, YALLAWWA KILARAGI wife of NO-2614643M, Rank-HAV, Name-UMESH KILARAGI, residing at VPO-SULDHAL, TEHSIL-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591101, have changed my name from YALLAWWA KILARAGI to YALLAWWA UMESH KILARAGI for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANJULA mother of No-23102957K, Rank-SEP, Name-CHETAN ROTI residing at VPO-SUTGATTI, TEHSIL-BAILHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591147, have changed my name from MANJULA to MANJULA ROTTI for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, CHELLAN KUNJU father of NO-2619260K Rank- SEP Name-SAMKUNJU C R/O VILL-MUTHUVANKUZHI VEEDU KANCHIMOODU, PO-PANTHA, THE-KATTAKADA, DIST-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA-695572, have changed my name from CHELLAN KUNJU to M CHELLAKKUNJU for all future purposes vide Affidavit Dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,hitherto known as MADHU KASANA W/O ROHIT R/O Sikhrani, PO: Loni, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as MONIKA.

NAME CHANGE
I KRISHAN DUTT & KISHAN DUTT& KRISHN DUTT S/O SHYAM DUTT SHARMA R/O H.NO F.C.A-B-19 MOHNA ROAD NEAR YADAV DERI BHIM SEN COLONY BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to KRISHAN DUTT KAUSHIK Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I HIMANTIKA SHARMA W/O ATUL KUMAR R/O H.NO 649/12 SECOND FLOOR BHIM GALI ,ROBIN CINEMA MALKA GANJ DELHI-110007 have changed my minor Daughter MOKSHITA TO MOKSHITA SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I HIMANTIKA SHARMA W/O ATUL KUMAR R/O H.NO 649/12 SECOND FLOOR BHIM GALI ,ROBIN CINEMA MALKA GANJ DELHI-110007 have changed my minor son RUDRAKSHA TO RUDRAKSHA SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SHWETANK S/O ARVIND SAH R/O C-16 SECOND FLOOR LEFT SIDE PARYAVARAN COMPLEX SAKET DELHI 110030 have changed my name to SHWETANK KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SATBIR JAIN S/O PADAM CHAND JAIN R/O H.NO 641 SECTOR 7 B FARIDABAD HARYANA 121006 have changed my name to SATYABIR JAIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SITABAI legally mother of Army No. -JC461552X, Rank - Subedar, Name - Chavan Navnath Ramachandra, Presently Residing, At - Awarde Post- Awarde, Teh - PATAN Dist - SATARA, State-MAHARASHTRA, Pin - 415014 have changed my name from SITABAI to SITABAI RAMCHANDRA CHAVAN for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 08/01/1954 instead of my correct date of birth as 01/01/1942 vide affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I NIRMALA legally mother of Army no -17013788A Rank - NK, Name - CHAUDHARI RAMESHWAR DILRAJ, Presently Residing At - KHADAKDEVA.BU Post-KHADAKDEVA.BU, Teh - PACHORA, Dist - JALGAON, Pin - 424201 State- MAHARASHTRA have changed my name NIRMALA to NIRMALABAI DILRAJ TELI for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide affidavit No. 78AB 268191, dated 17/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I UMA CHAUDHARY legally wife of Army no -17013788A Rank - NK, Name - CHAUDHARI RAMESHWAR DILRAJ, Presently Residing At - KHADAKDEVA.BU Post-KHADAKDEVA.BU, Teh - PACHORA, Dist - JALGAON, Pin - 424201 State- MAHARASHTRA have changed my name UMA CHAUDHARY to UMA RAMESHWAR CHAUDHARI for all future purposes, Vide affidavit No. 78AB 268190 dated 17/06/2026 before Notary Public, Delhi .

NAME CHANGE
I DILRAJ legally father of Army no -17013788A Rank - NK, Name - CHAUDHARI RAMESHWAR DILRAJ, Presently Residing At - KHADAKDEVA.BU Post-KHADAKDEVA.BU, Teh - PACHORA, Dist - JALGAON, Pin - 424201 State- MAHARASHTRA have changed my name DILRAJ to DILRAJ PANDURANG TELI for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1957 instead of my correct date of birth as 01/06/1953 vide affidavit No. 78AB 268192, dated 17/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I AMRIT KUMAR SINGH S/o Late Shri RAM AKBAL SINGH, R/o Flat No. B-4, First Floor, D-214, D – Block, Krishna Park, Devli Road, Devli, PO: Dr. Ambedkar Nagar, Dist : South Delhi, Delhi-110080, declare that name of mine has been wrongly written as AMRIT SINGH in my minor daughter namely ADITI SINGH, aged 14 years in her School Record. The actual name of mine AMRIT KUMAR SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Shaina Usman alias Shahana Perveen D/o Anwar and W/o Usman Khan R/o A-194,Gali No.2,Shahid Nagar, Chikamberpur, PO: Chikamberpur, District Ghaziabad, UP-201006 have changed my name to Shahana Parveen.

NAME CHANGE
I, ASHYA KHATOON D/O AKBAR KHAN residing at KUCHAYKOT KUCHAI KOTE, GOPALGANJ, BIHAR-841501 have changed my name to ASHYA KHANAM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vishwajeet singh S/o Pradeep Singh R/o House No.377 Bhim nager sec-6 Gurgoan, Haryana, Have changed my father name Pradeep kumar to Pradeep Singh for all purposes.

NAME CHANGE
I, Sandeep, son of Om Prakash, residing at H. No. 39, Palra (164), Gurgaon, Haryana – 122101, have changed my name from Sandeep to Sandeep Kumar. Henceforth, I shall be known and called by the name Sandeep Kumar for all purposes.

NAME CHANGE
I , AFROJ W/o Late SHER MAHI R/o Plot No.- 147 , A – Block , J J Colony Mangla Puri Phase – II , PO : Palam Village , Dist : South West Delhi , Delhi – 110045 have changed the name of my minor son MD. SAHIL aged 17 years and he shall hereafter be known as MD SOHIL .

NAME CHANGE
I hitherto known as AMIT CHOUDHARY alias AMIT KUMAR S/o SWADESH KUMAR R/o House No. A – 120 , Street No. – 10 , Near Power House , Bhajanpura , Bhajan pura , Dist : North East , Delhi - 110053 have Changed my name and Shall hereafter be known as AMIT KUMAR .

NAME CHANGE
I, HARALA LALITHAMMA Mother of No- 2617779F, Rank- SEP, Name- RAVI HARALA, R/o VILL-ERADETTINAHALLI, PO-BAGALLI, TEHSIL- HARAPANAHALLI, DIST- VIJAYANAGARA, KARNATAKA-583131, have changed my name from HARALA LALITHAMMA to LALITHAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I JULEE KUMARI VERA W/O ABID HUSSAIN R/O 35/249 TRILOK PURI, DELHI-110091 have changed my name to SHAHEEN PARWEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MARIGONEPPA H father of No-2617779F, Rank- SEP, Name- RAVI HARALA, R/o VILL-ERADETTINAHALLI, PO-BAGALLI, TEHSIL- HARAPANAHALLI, DIST- VIJAYANAGARA, KARNATAKA-583131, have changed my name MARIGONEPPA H to MARIGONYAPPA HARAL for all future purposes vide Affidavit Dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14665672N, Rank-HAV Name- HEMANT KUMAR Resident of VPO-MAKRANA, TEHSIL- & DIST-CHARKHI DADRI, HARYANA-127022, have changed my wife's name from MAMTA KUMARI to MAMTA for all future purposes vide Affidavit dated 30/06/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15455786X, Rank-SEP Name- DIVESH KUMAR resident of H.NO.527B, SHASTRI NAGAR, BYPASS ROAD, BULANDSHAHR, U.P-203001, have changed my father's name from SATENDRA PAL SINGH to SATENDRA PAL for all future purposes Vide Affidavit dated 30/06/2026 before Notary Public, Delhi.

Name Correction
I, Mohammad Naeem S/o Mohammad Yaqoob R/o H No 9739 Neemwali Gali Nawab Ganj Azad Market Delhi 110006 declare that Name of my Parents is wrongly mentioned in my Passport No P 8004804.. The correct Name of my Father is Mohammad Yaqoob instead of Mohamad Yaqub and Correct Name of my Mother is Nazrul Begum instead of Nazrul Nisha.

NAME CHANGE
I, JAGAT PRASAD S/O DES RAM R/O HOUSE NO-522, 4TH FLOOR,NEAR D A V SCHOOL, SECTOR-17, ESCORTSNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121007, HAVE CHANGED MY NAME TO JAGAT PARSHAD SHARMA S/O DESH RAM SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I Amit Kumar S/o Virender Singh R/o RZ-58/284 Geetanjali Park Gali No 1 West Sagarpur Delhi 110046 have changed my daughters name from Anaaya to Anaaya Chaudhary for all future purpose

NAME CHANGE
I Nadir, S/O Mijjan Khan, R/O I-1554, I block, Jahangir Puri, Adarsh Nagar, Delhi- 110033 have changed my name to Nadir Khan for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री गंगा प्रसाद पारछा और श्रीमती पूनम पारछा, निवासी: मकान नंबर 4/295, खिचड़ीपुर, कल्याणपुरी, पूर्वी दिल्ली-110091) ने अपने बेटे अनिकेत पारछा, और पुत्रवधू प्रीति नेगी को उनके बुरे व्यवहार और आज्ञाहीन, होने के कारण अपनी सभी चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उनसे सभी रिश्ते खत्म कर लिए हैं। जो कोई भी व्यक्ति उनके साथ कोई लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम, खर्च और जिम्मेदारी पर करेगा, मेरे मुवक्किल किसी भी रूप में उत्तरदायित्व नहीं होंगे।

सुभाष सिंह यादव अधिवक्ता
चैंबर नंबर 125, पटियाला हाउस कोर्ट्स
नई दिल्ली-110001

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जोगिंदर सिंह (यूआईडीएआई सं. 737886964171), पुत्र स्वर्गीय श्री खजान सिंह, आयु लगभग 78 वर्ष, एवं उनकी पत्नी श्रीमती राजकुमारी, पत्नी श्री जोगिंदर सिंह, आयु लगभग 70 वर्ष, निवासी मकान नं. स-146/B-113, आदर्श बस्ती, मोहम्मदपुर, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066, ने अपने पुत्र श्री अमित कुमार तथा उनकी पत्नी श्रीमती अरुणा को उनके अमानवीय एवं असम्मानजनक व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से तत्काल प्रभाव से बेदखल एवं बेदावा (Disown and Debar) कर दिया है तथा उनसे अपने सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध पूर्णतः समाप्त कर दिए हैं। अतः आज की तिथि से श्री अमित कुमार एवं श्रीमती अरुणा द्वारा किए गए अथवा भविष्य में किए जाने वाले किसी भी कार्य, व्यवहार, लेन-देन, ऋण, दायित्व अथवा अन्य किसी भी प्रकार की गतिविधि के लिए मेरे मुवक्किल किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे। यदि कोई व्यक्ति श्री अमित कुमार एवं/अथवा श्रीमती अरुणा के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन अथवा व्यवहार करता है, तो वह पूर्णतः अपने जोखिम, उत्तरदायित्व एवं खर्च पर करेगा। मेरे मुवक्किल उसके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी या जिम्मेदार नहीं होंगे।

VINOD SHARMA
Advocate
Chamber No.958
Patiala House Course,
New Delhi-110001
Contact No. 9811665565

NAME CHANGE
I Hasan Mohmmad, S/O Safar Mohammad, R/O B398 Sangam Park, Rana Pratap Bagh, Delhi have changed my name to Hasan Mohammad for all future purposes

NAME CHANGE
I Ekta Dave, W/O Shivang Rohit Dave, R/O G 18/27, G Block, Dlf Phase 1, Gurgaon have changed my name to Ekta Shivang Dave for all future purposes

NAME CHANGE
I Ramender Kaur, W/O Jasmeet Singh, R/O B-53, New Gupta Colony, Dr. Muhkerjee Nagar, Delhi- 110009 have changed my name to Raminder Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I NITIN KUMAR , S/O SATISH KUMAR , R/O WZ-1253 III/FLR RANI BAGH DELHI 110034 ,I have changed my name to NITIN KUMAR SHARMA

NAME CHANGE
I SHABIHA KHATOON W/O SULTAN AHMAD R/O T-447 FOURTH FLOOR NEAR GOPAL DAIRY BALJEET NAGAR PATEL NAGAR DELHI-110008 have changed my name to SABIHA KHATUN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I GAURAV S/O RAMAVTAR R/OD-291/A , SWAMI SHRAHANAND COLONY PANSALI DELHI-110042 have changed my name to GAURAV SAHU Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
| Hitherto Known as VIVEK KUMAR s/o RAKESH KUMAR R/o BHATPURA JEERAJPUR, PO- AHMADGARH Dist-Bulandshahr Uttar Pradesh 203131, have changed my name and shall here after be known as SHUBHAM KUMAR.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nihal Singh S/o Virendra Singh R/O Village and Post- Rehmanpur Syewali, District-Bulandshahr Uttar pradesh-203150, have Changed my name and Shall hereafter be known as Komal Kumar.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as Jugnu Chaudhary s/o Gajraj Singh R/o Dugrau po- Malkakpur The-Anoopshahr, Dist- Bulandshahr Uttar Pradesh 203390, have changed my name and shall here after be known as Ankit Kumar

NAME CHANGE
I hitherto known as AMIT, S/O RAMJEE VERMA, R/O Flat No. - 1403, Gulmohar Building, Shipra Krishna Srishti Apartments, Ahinsha Khand - 1, Next to Indirapuram Habitat Centre, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014, have changed my name and shall hereafter be known as AMIT VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANJANA AMIT, W/O AMIT VERMA, R/O Flat No. - 1403, Gulmohar Building, Shipra Krishna Srishti Apartments, Ahinsha Khand - 1, Next to Indirapuram Habitat Centre, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014, have changed my name and shall hereafter be known as ANJANA MENON.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निज़ामुद्दीन पुत्रः** बाबूद्दीन, **निवासः** ईदगाह के नज़दीक, फिरदास कॉलोनी, गरिमा गार्डन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR No. 523/20 U/s 356/379/411/34 IPC., थानाः कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **निज़ामुद्दीन** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **निज़ामुद्दीन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 523/20 U/s 356/379/411/34 IPC., थानाः कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **निज़ामुद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
शयेशा चढ्ढा
DP/8824/N/2026 **जेएमएफसी-08, कमरा नं. 272**
(Court Notice) **तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली**

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (i) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मो0 सोहेल पुत्रः** मो0 ज़मील, **निवासः** B-5, तीसरा तल, टेलीफोन एक्सचेंज शाहिद नगर, साहिबाबाद, यू.पी. ने **FIR No. 266/2022 दिनांक 01.04.2022 U/s 324 IPC., थानाः गाज़ीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मो0 सोहेल** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मो0 सोहेल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 266/2022 दिनांक 01.04.2022 U/s 324 IPC., थानाः गाज़ीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मो0 सोहेल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सचिन
DP/7948/ED/2026 **जेएमएफसी-03, कमरा नं. 18**
(Court Notice) **कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

NAME CHANGE
I, Anjna Bansal W/O Sushil Kumar Bansal R/O C-479/F, Gali No-11, Majlis Park, Azadpur, N S Mandi North West Delhi 110033 have changed my name to Anjna for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GOVINDA S/O BABU RAM R/O 739A, NEHRU KUTIYA, MALKA GANJ, NORTH DELHI DELHI 110007, I have changed my name from GOVIND TO GOVINDA for all future purpose.

NAME CHANGE
I,Rinku Gaonbura S/O Debesh Chandra Gaonbura R/O 5/1557, Flat No. S3, SF, Vasundhara, Nearby Olive County, Sector 5, Vasundhra, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201012, have changed the name of my minor son Shlokh Gaonbura aged 03 years and he shall hereafter be known as Aarushh Gaonbura

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Ajit Singhin** respect of **Built up third floor, with roof rights, area Measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 768, Bearing Property No. G-8, situated at village Ghonda Gurjan Khadar, in the abadi of Gali No. 12, Jagjeet Nagar, Illaqa Shahdara Delhi-110053.,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, FARIDA KHATOON W/o Mustaque Ahmed R/o RZA-312/D, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-110041, have changed my name to FARIDA KHATUN permanently.

NAME CHANGE
I, MUSTAQ AHMED S/o Shamshuddin R/o RZA-312/D, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-110041, have changed my name to MUSTAQUE AHMED permanently

NAME CHANGE
I, CHETAN JAIN S/o Hemant Jain R/o Flat-403, RZD-1/96, Gali No.5, Rainbow Apartment, Mahavir Enclave, Delhi-110045, have changed my name to CHETAN K JAIN permanently

NAME CHANGE
I, SUBHASH BHATI S/o Chandrahass Singh R/o 279, Village & Post Luharli, Dadri, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh, have changed my name to SUBHASH KUMAR permanently.

NAME CHANGE
I, Suhel Ahmed S/o Nayeem Ahmed R/o Street No-8, Gurudwara Mohalla, Bhajan Pura, Delhi-110053 have changed my name to Suhail Ahmed for all future purposes.

NAME CHANGE
I,ABDUL WAHEED S/O MOHD DIN R/o 6319 GALI HAJI AMIR BAKSH QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI 110006, have changed my name to ABDUL WAHID S/O MOHD DIN for all future Purposes.

NAME CHANGE
ASHISH KUMAR THAKUR S/O RADHA KANTH THAKUR R/O 12 NO PANCHANNA GRAM TIIJAIA SOUTH 24 PARGANA KOLKATA WEST BANGAL PIN 700039 HAVE CHANGED MY NAME TO ASHISH THAKUR

NAME CHANGE
I, Mohammad Bilal S/O. Mohammad Rais R/o. H.No-1007, Gali Rajan, Farash Khana, Delhi-110006 have changed my name to Mohd Bilal.

NAME CHANGE
I, Mohd Rais S/O. Tawakkul Husain R/o. H.No-1007, Gali Rajan, Farash Khana, Delhi-110006 have changed my name to Mohammad Rais

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

4 महीने में 40 लोगों से ली लिफ्ट, फिर ठग लिए लाखों रुपयेज पंचकूला के इस कपल की कहानी जान उड़ जाएंगे होश

एजेंसी
हरियाणा। हरियाणा के पंचकूला में लिफ्ट के बहाने लूटपाट करने वाले शादीशुदा कपल की कहानी सामने आई है. दोनों की मुलाकात एक गोशाला में हुई थी. बातचीत बढ़ी, फिर दोनों लिव-इन में रहने लगे और बाद में परिवार की सहमति से शादी कर ली. इसके बाद नशे की लत ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी. रोजाना नशे के लिए पैसों की जरूरत पड़ने लगी तो दोनों ने लोगों को जाल में फंसाकर लूटने का रास्ता अपना लिया. करीब चार महीने में उन्होंने 40 लोगों से लगभग 4 लाख रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए. हालांकि एक प्रवासी मजदूर की शिकायत ने उनके पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया.

कैथल के सोलू माजरा गांव निवासी बलवान पंचकूला के पिंजौर स्थित गोशाला में नौकरी करता था. उसने एक डॉक्टर से घायल और बीमार पशुओं के उपचार की ट्रेनिंग ली हुई थी और गोशाला में गायों का इलाज करता था. वह 12वीं तक पढ़ा है.

कुत्ते के इलाज के दौरान मुलाकात हुई

पिंजौर की हिमशिखा कॉलोनी निवासी सवनीत कौर 10वीं तक पढ़ी है. एक बार उसका कुत्ता बीमार हो गया तो वह इलाज के लिए गोशाला पहुंची. वहीं उसकी मुलाकात बलवान से हुई. इलाज के बहाने उसने बलवान का मोबाइल नंबर ले लिया.

पानीपत में गांजा समेत महिला तस्कर काबू,दो दिन के रिमांड पर

पानीपत। पानीपत पुलिस ने एक महिला नशा तस्कर को तीन किलो 952 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान अशोक विहार कॉलोनी निवासी नन्ही के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उनकी टीम रविवार शाम को गश्त के दौरान बबैल रोड पर छोटूराम चौक के पास थी। टीम को तभी सूचना मिली की एक महिला कपड़े के बैग में मादक पदार्थ लेकर बेचने के लिए पुराना दलबीर नगर में बड़ी बिजली लाइन के पास घूम रही है। सूचना को पुख्ता मानकर टीम में महिला एएसआई कविता को शामिल कर पुलिस टीम मौके पर दबिश दी। सामने चारपाई पर एक महिला बैठी दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर महिला चारपाई पर रखे बैग को छुपाने लगी। तत्परता से कार्रवाई करते हुए एएसआई कविता ने बैग सहित महिला को काबू किया। पूछताछ में महिला ने अपनी पहचान नन्ही पत्नी इमरान निवासी बेरी वाली मस्जिद अशोक विहार कॉलोनी के रूप मे बताई। पुलिस टीम ने महिला के बैग की तलाशी ली तो प्लास्टिक पन्नी में पैक काफी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजा का वजन करने पर तीन किलो 952 ग्राम पाया गया।

25 लाख की स्मैक के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 272 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 25 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान आमिर शाह (22) गांव उदयपुर निवासी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी उत्तर प्रदेश से स्मैक लेकर दिल्ली में सप्लाई करने के लिए आया था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने सोमवार को बताया कि अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि बाइपास रोड स्थित सेक्टर-37 के श्मशान घाट के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ के साथ मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर छापेमारी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 272 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जो एनडीपीएस एक्ट के तहत वाणिज्यिक मात्रा की श्रेणी में आती है। इसके बाद थाना सराय ख्वाजा में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह उत्तर प्रदेश से बस के जरिए स्मैक लेकर आया था और इसे दिल्ली में सप्लाई करना था। इस खेप की डिलीवरी के बदले उसे 15 हजार रुपए मिलने थे।

उमस भरी गर्मी और तपिश से आमजन परेशान

जींद। उमस भरी गर्मी और तपिश से आमजन पूरी तरह से परेशान है। दोपहर तक गर्मी लोगों की हालत खस्ता कर देती है। जिसके चलते सड़कों पर वाहन कम हो जाते हैं और बाजार भी सुनसान नजर आते हैं। गर्म हवा चलने के कारण लोगों को गर्मी ज्यादा महसूस होती है और पसीने सूखने का नाम नही लेते। गर्म हवाओं की चपेट में आने से छोटे बच्चे तथा वृद्ध बीमार पड़ रहे हैं। जिससे अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। जिले में सोमवार का तेज धूप और गर्म पश्चिमी हवाओं ने लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया। वहीं धान रोपाई का कार्य भी जोरो पर है। अगर बारिश होती है तो यह सोने पर सुहागा होगी। अधिकतम तापमान 40 डिग्री व न्यूनतम तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि हवा की गति 11 किलोमीटर प्रति घंटा व मौसम में आद्रता 35 प्रतिशत रही। सुबह से ही सूरज के तेवर तीखे रहे।

हरियाणा के 50 हजार युवाओं को जापान में मिलेगा रोजगार का अवसर, फुकुओका ने मांगा तकनीकी रूप से कुशल मानव संसाधन

एजेंसी
चंडीगढ़। जापान के फुकुओका में तकनीकी क्षेत्र की 80 प्रतिशत कंपनियों, जिनमें सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल, आईटी तथा अन्य निर्माण इकाइयां शामिल हैं, को इस समय तकनीकी रूप से कुशल मानव संसाधन की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए जापान के फुकुओका प्रीफेक्चर ने हरियाणा सरकार से यहां के युवाओं को उनकी जरूरत के अनुसार तकनीकी रूप से सक्षम बनाने का अनुरोध किया है ताकि अगले पांच साल में यहां के 50 हजार युवाओं को फुकुओका प्रीफेक्चर में रोजगार उपलब्ध करवाकर मानव संसाधन की कमी को दूर किया जा सके। हरियाणा सरकार और जापान के फुकुओका प्रीफेक्चर के बीच औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा तथा मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में 'हरियाणा-फकुओका कनेक्ट-2026' के अंतर्गत उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में फुकुओका प्रीफेक्चर सरकार, फुकुओका इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा उद्योग जगत के

प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार, विश्वविद्यालयों व विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विषयों पर मंथन किया। बैठक के दौरान हरियाणा और फुकुओका के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, निवेश संभावनाओं, तकनीकी मानव संसाधन तथा शिक्षा क्षेत्र में सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने भारतीय युवाओं, विशेषकर हरियाणा के 50 हजार विद्यार्थियों और तकनीकी पेशेवरों के लिए अगले पांच साल में जापान में रोजगार, इंटर्नशिप तथा कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा सरकार की औद्योगिक नीतियों, निवेश प्रोत्साहन योजनाओं तथा जापानी कंपनियों के लिए विकसित किए जा रहे विशेष औद्योगिक इकोसिस्टम की जानकारी दी। राज्य सरकार ने निवेशकों को त्वरित अनुमतियां, सिंगल विंडो प्रणाली तथा उद्योग-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जापान की यात्रा कर विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग से विकास की प्रतिबद्धता जाहिर की थी। इसके साथ ही जापान के साथ आपसी समन्वय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होने बताया कि हरियाणा और जापान को इतिहास, सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में भी आदान-प्रदान की जरूरत है ताकि दोनों क्षेत्र एक-दूसरे को अच्छी प्रकार समझ सकें। उन्होंने ग्रीन जॉब्स तथा ग्रीन फ्यूल्स आदि क्षेत्रों में भी मिलकर कार्य करने की जरूरत पर बल दिया।

रेवाड़ी की बेटी दीपाली बनी नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट

एजेंसी
रेवाड़ी। भारतीय नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त करने के बाद धारूहेड़ा लौटी दीपाली सिकरवाल का बेस्टेक सोसायटी में भव्य सम्मान समारोह आयोजित कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों, सामाजिक प्रतिनिधियों और सोसायटी के निवासियों ने उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। दीपाली सिकरवाल धारूहेड़ा की पहली महिला अधिकारी हैं, जिन्होंने भारतीय नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन हासिल कर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने वर्षों पुराने डिफेंस में पायलट बनने के अपने सपने को साकार कर यह साबित किया कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वक्ताओं ने कहा कि दीपाली सिकरवाल की सफलता हरियाणा की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और सशस्त्र बलों में भी उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। उन्होंने दीपाली का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल

भविष्य और देश सेवा के सफल सफर की कामना की। इस अवसर पर बेस्टेक सोसायटी आरडब्ल्यूए ने दीपाली के साथ उनके माता-पिता, बीएसएनएल के पूर्व एजीएम हरिराम सिकरवाल और नमिता सिकरवाल को भी सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि बेटी की इस सफलता के पीछे परिवार के संस्कार, सहयोग और प्रोत्साहन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हरियाणा में ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों को आईटीआई में मिलेगा दो हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को आर्थिक मदद देकर तकनीकी शिक्षा की ओर आकर्षित करने की तैयारी में है। सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के विद्यार्थियों के लिए दो हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड देने की पहल की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक कारणों से कोई भी छात्र तकनीकी प्रशिक्षण बीच में न छोड़े। माना जा रहा है कि आर्थिक सहयोग मिलने से आईटीआई में दाखिले बढ़ेंगे, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होगी और उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग का मानना है कि तकनीकी शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास की बुनियाद है। इसी सोच के तहत सरकार प्रशिक्षण के साथ आर्थिक सहयोग को भी जोड़ रही है, ताकि कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थी बिना अतिरिक्त बोझ के प्रशिक्षण पूरा कर सकें। वर्ष 2026-27 के प्रवेश सत्र में हरियाणा के 377 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में दाखिले की

प्रक्रिया चल रही है। इनमें 197 सरकारी और 180 निजी आईटीआई शामिल हैं। इन संस्थानों में करीब एक लाख सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। विद्यार्थियों को 89 से अधिक इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण का विकल्प मिलेगा, जिनमें पारंपरिक ट्रेडों के साथ आधुनिक तकनीकी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। सरकार इस समय ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग (डीएसटी) पर विशेष जोर दे रही है। इस मॉडल में विद्यार्थियों को केवल कक्षा तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि प्रशिक्षण के दौरान ही उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव दिया जाता है। मशीनों पर काम करने, उत्पादन प्रक्रिया समझने, सुरक्षा मानकों का पालन करने और औद्योगिक कार्यप्रणाली सीखने का अवसर मिलने से प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को रोजगार के लिए अलग से तैयारी नहीं करनी पड़ती। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विभाग ने सभी आईटीआई में हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं। यहां आवेदन, दस्तावेज सत्यापन, ट्रेड चयन और सीट आवंटन से जुड़े सभी चरणों में विद्यार्थियों की सहायता की जा रही है। विभाग का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के तकनीकी शिक्षा से जुड़ सकें। आईटीआई में प्रवेश के लिए आठवीं, दसवीं और बारहवीं पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अलग-अलग ट्रेडों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई है।

कबीर साहेब का संदेश संपूर्ण मानव जाति के उत्थान के लिए : कर्मवीर सिंह बौद्ध

एजेंसी
जींद। राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध ने कहा कि कबीर साहेब का संदेश संपूर्ण मानव जाति के उत्थान के लिए हैं । उन्होंने समता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने अपने दोहों से समाज में फैली कुरीतियों को छोड़ कर अंधविश्वास और आडंबरों से दूर रहने का संदेश दिया। राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध जींद-अशरफगढ़ मार्ग पर स्थित निर्माणाधीन संत कबीर छात्रावास एवं लाइब्रेरी भवन में आयोजित संत शिरोमणि कबीरदास के 629वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने भी शिरकत की। कार्यक्रम का आगाज कबीर साहेब के दोहों से हुआ। मुख्यअतिथि राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध ने कहा कि संत कबीर के संदेशों में ईमानदारी और सच्चाई के साथ जीवन जीने की प्रेरणा और सीख मिलती है। उन्होंने समाज में फैली कुप्रथाओं का जोरदार विरोध किया। समाज के उत्थान का संदेश दिया। उनके संदेश सैंकड़ों सालों के बाद आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों का आह्वान

किया कि आप सही मायने में तभी कबीर के सच्चे अनुयायी होंगें जब आप सत्य, समानता, भाईचारे की भावना के साथ सभी को साथ लेकर सात्विक जीवन जिऐंगे।

लोकसभा सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि इस जयंती समागम में सभी समाजों के लोगों को शामिल कर कबीर साहेब के महान उपदेशों को आत्मसात करने का प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय कदम है। कबीर जी के दोहों में सरल शब्दों का प्रयोग है, उनमें मानव कल्याण का गहरा संदेश भी छिपा है। कबीर साहेब भक्ति काल के महान समाज सुधारक और कवि थे। उन्होंने धर्म, जाति वर्ग के बंधनों से उपर उठकर मानवता का संदेश दिया। संस्था के वरिष्ठ सदस्य एवं समाज सेवी रोशन लाल दुग्गल ने कहा कि संत कबीर साहेब की वाणी सबके लिए प्रेरणादायी है।

ग्राहक बनकर आए चोर ने ज्वैलर्स की दुकान से उड़ाए गहने

एजेंसी
पानीपत। पानीपत काबड़ी कच्ची फाटक स्थित एक ज्वेलरी की दुकान में ग्राहक बनकर आए एक चोर ने सुनार को अपनी बातों में उलझाकर काउंटर पर रखे चांदी के गहनों पर धीरे-धीरे हाथ साफ कर दिया। शातिर चोर दुकान से करीब 200 ग्राम चांदी के जेवरात चोरी कर रफूचक्कर हो गया। यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना पुराना औद्योगिक पुलिस को दी गई लिखित शिकायत में दुकानदार अजय कुमार ने बताया कि वह पिछले करीब 30 साल से पानीपत के काबड़ी कच्ची फाटक पर गौरव ज्वेलर्स के नाम से सोने-चांदी

के आभूषणों की दुकान चला रहे हैं। 28 जून दोपहर के बाद उनकी दुकान पर एक व्यक्ति ग्राहक बनकर आया। उसने अजय कुमार से चांदी के गहने दिखाने के लिए कहा। ग्राहक की मांग पर अजय कुमार उसे बारी-बारी से चांदी की पायजेब, चुटकी और अंगूठियां दिखाने लगे। इसी दौरान दुकानदार की नजरें बचाकर वह शातिर व्यक्ति धीरे-धीरे करके काउंटर पर रखे चांदी के सामान को अपनी जेब और हाथों में छुपाकर चोरी करता रहा। चोर के जाने के बाद जब ज्वेलर्स अजय कुमार ने काउंटर पर रखे अपने चांदी के स्टॉक का मिलान किया और उसे तोला, तो उनके होश उड़ गए। दुकान के स्टॉक में से करीब 200 ग्राम चांदी के जेवरात कम पाए गए। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। ज्वेलर अजय कुमार ने पुराना औद्योगिक थाना पहुंचकर पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सहित मामले की लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने अजय की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से अज्ञात चोर की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराई, तीन पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी
सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले के नाथूसरी चोपटा क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस का वाहन पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सिरसा के नागरिक अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, चोपटा थाना का वाहन रविवार रात नाथूसरी चोपटा से नहराणा गांव की ओर गश्त पर जा रहा था। चोपटा-भट्टू रोड पर नहराणा के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा कर खेतों में पलट गई। हादसे में ड्राइवर विजय कुमार, एएसआई विजय कुमार और एसपीओ सुनील

कुमार शामिल हैं। हादसे में गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और अगले दोनों टायर फट गए। सूचना मिलने पर पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तीनों घायलों को उपचार के लिए नाथूसरी चोपटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सिरसा के नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मैरिज सर्टिफिकेट के नाम पर रिश्वत लेते अटल सेवा केंद्र संचालक गिरफ्तार

एजेंसी
कैथल। अंबाला की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अटल सेवा केंद्र संचालक को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उस पर मैरिज सर्टिफिकेट के पंजीकरण के नाम पर 20 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप है। कार्रवाई के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास निवासी डोगरा गेट, कैथल के रूप में हुई है। वह हिन्द मार्केट स्थित विकास अटल सेवा केंद्र का संचालन करता है।

शिकायतकर्ता प्रदीप निवासी मानस ने आरोप लगाया था कि मैरिज सर्टिफिकेट का पंजीकरण कराने के लिए आरोपी ने 22 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो अंबाला ने आरोपों का सत्यापन किया और योजनाबद्ध ढंग से ट्रैप की कार्रवाई की। शाम करीब चार बजे हिन्द मार्केट, लघु सचिवालय के निकट स्थित अटल

सेवा केंद्र में शिकायतकर्ता द्वारा 20 हजार रुपये दिए जाने के दौरान टीम ने आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया।

पूरी कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार, प्रबंध निदेशक शुगर मिल कैथल की मौजूदगी में संपन्न कराई गई। इस संबंध में विजिलेंस थाना अंबाला में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

हरियाणा में किसानों, एमएसएमई और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फ्लिपकार्ट नेतृत्व से की अहम बैठक

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से नई दिल्ली हरियाणा भवन में फ्लिपकार्ट ग्रुप के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति और चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने मुलाकात की। इस दौरान राज्य के साथ फ्लिपकार्ट की साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों और एमएसएमई के लिए बाजार तक पहुंच को व्यापक बनाने, कृषि वैल्यू चेन को सशक्त करने, उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्किलिंग और रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने तथा

समावेशी आर्थिक विकास को गति देने के लिए तकनीक के उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया। हॉर्टिकल्चर और फ्रेश प्रोड्यूस सोर्सिंग में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हॉर्टिकल्चर और फ्रेश प्रोड्यूस सोर्सिंग के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हरियाणा के अधिक से अधिक किसान और प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन तकनीक-सक्षम सप्लाई चेन के माध्यम से व्यापक बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकें। इस अवसर पर फ्लिपकार्ट ग्रुप ने हरियाणा राज्य के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराया। फ्लिपकार्ट ने कहा कि वह हरियाणा सरकार के साथ अपनी निरंतर साझेदारी के माध्यम से राज्य भर के किसानों, उद्यमियों और स्थानीय व्यवसायों के लिए नए अवसर सृजित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

हरियाणा में इमारत निर्माण को लागू नहीं होंगे नए नियम

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में अभी किसी प्रकार के भवन निर्माण को लेकर पुराने नियम ही लागू होंगे। आम जन को मकान, दुकान, फैक्टरी आदि बनाते समय भवन निर्माण और ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) के लिए पुराने नियमों के तहत ही प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सरकार ने पिछले वर्ष हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 में कई बड़े बदलाव किए थे, जिनके तहत पूरी व्यवस्था को ऑनलाइन, पारदर्शी और सर्टिफिकेशन आधारित बनाया जाना था। लेकिन ऑनलाइन पोर्टल, डिजिटल ई-रजिस्टर, थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन और अतिरिक्त एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) जैसी व्यवस्थाएं अभी तैयार नहीं होने के कारण सरकार ने इन संशोधनों के अमल पर फिलहाल रोक लगा दी है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि नई व्यवस्था लागू होने तक पुराने प्रावधानों के तहत ही भवन निर्माण से जुड़े सभी कार्य किए जाएं। 8 दिसंबर, 2025 को हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 में कई महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे। इनका उद्देश्य भवन निर्माण से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को

डिजिटल बनाना, अनावश्यक औपचारिकताओं को कम करना और अनुमति प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना था। संशोधित व्यवस्था के तहत भवन निर्माण से जुड़े अधिकांश आवेदन ऑनलाइन किए जाने थे और ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया में भी बड़े बदलाव प्रस्तावित किए गए थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद भवन निर्माण से संबंधित हर आवेदन का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा। आवेदन कब प्राप्त हुआ, किसे मंजूरी मिली, किसका आवेदन वापस किया गया या अस्वीकार हुआ तथा किसे ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट जारी किया गया, इसकी पूरी जानकारी ई-रजिस्टर में दर्ज होगी। सरकार ने भवनों की श्रेणी के अनुसार ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) जारी करने की नई व्यवस्था भी तैयार की है। कम जोखिम वाले भवनों के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन का प्रावधान किया गया है, जबकि उच्च जोखिम वाले भवनों के मामलों में थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन लागू होगा। संशोधित बिल्डिंग कोड में उद्योगों और व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त एफएआर खरीदने का प्रावधान किया गया है। हालांकि सरकार ने अभी तक इसके शुल्क तय नहीं किए हैं। ऐसे में अतिरिक्त एफएआर की अनुमति भी फिलहाल नहीं मिलेगी।

हरियाणा में एचआरएमएस व्यवस्था में बड़ा बदलाव, अब कर्मचारियों के काम होंगे जल्दी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए इस्तेमाल होने वाले हरियाणा ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब कर्मचारियों के सेवा संबंधी और वेतन संबंधी मामलों का जिम्मा अलग-अलग विभागों के पास होगा। सरकार का मानना है कि इससे फैसले तेजी से होंगे, फाइलें कम घूमेंगी और एचआरएमएस से जुड़े काम पहले की तुलना में जल्दी पूरे हो सकेंगे। यह नई व्यवस्था पहली जून से लागू हो गई है। नई व्यवस्था के तहत नियुक्ति, तबादला, पदोन्नति, अवकाश, एसीआर और अन्य सेवा संबंधी मामलों का जिम्मा मानव संसाधन विभाग (एचआरडी) संभालेगा। वहीं वेतन, बिल, भुगतान और अन्य वित्तीय मामलों से जुड़े मॉड्यूल वित्त विभाग (ट्रेजरी एवं अकाउंट्स) के अधीन रहेंगे। यानी अब हर विषय के लिए जिम्मेदार विभाग पहले से तय रहेगा। यदि एचआरएमएस में कोई नई सुविधा जोड़नी हो, किसी मॉड्यूल में बदलाव करना हो या तकनीकी सुधार करना हो तो प्रस्ताव सीधे उसी विभाग के पास जाएगा, जिसके जिम्मे वह मॉड्यूल है। पहले कई स्तरों पर फाइलें भेजनी पड़ती थीं, जबकि अब निर्णय की प्रक्रिया छोटी और तेज होगी। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर कर्मचारियों पर पड़ेगा। सेवा रिकॉर्ड, अवकाश, पदोन्नति या वेतन से जुड़े मामलों में जिम्मेदारी स्पष्ट होने से अनावश्यक देरी कम होने की उम्मीद है। तकनीकी दिक्कत आने पर भी यह तय रहेगा कि उसका समाधान किस विभाग को करना है। सरकार ने यह व्यवस्था सभी प्रशासनिक विभागों, बोर्डों, निगमों, सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों, मंडलायुक्त कार्यालयों, उपायुक्त कार्यालयों और अन्य सरकारी संस्थानों पर लागू कर दी है। जहां-जहां एचआरएमएस का उपयोग हो रहा है, वहां अब इसी व्यवस्था के अनुसार काम होगा।

एचडीएफसी बैंक ने आयुक्त राजीव कुमार को बनाया नया पार्ट-टाइम चेयरमैन

अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद हुआ बड़ा फेरबदल, RBI की अंतिम मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली ।

श के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल की घोषणा की गई है, जहां पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार बैंक के नए पार्ट-टाइम चेयरमैन का पद संभालेंगे। इस हाई-प्रोफाइल नियुक्ति ने बैंकिंग और कॉर्पोरेट जगत को चौंका दिया है, खासकर पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस साल मार्च में नैतिक चिंताओं के कारण अचानक इस्तीफे के बाद। बैंक के बोर्ड ने सोमवार को राजीव कुमार को 30 जून से आगामी चार साल के लिए एडिशनल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और पार्ट-टाइम चेयरमैन के रूप में मंजूरी दी है। बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि उन पर कोई कानूनी रोक नहीं है, हालांकि अब पूरी इंडस्ट्री की नजरें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अंतिम मंजूरी पर टिकी हैं। राजीव कुमार का वित्तीय और प्रशासनिक करियर बेहद कड़क रहा है। उन्होंने बतौर मुख्य चुनाव आयुक्त दुनिया का सबसे बड़ा आम चुनाव संपन्न कराया है। केंद्रीय वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में (2017-2020), उन्होंने सरकारी बैंकों को एनपीए संकट, पूंजी की कमी और नोटबंदी के बाद की चुनौतियों से उबारा। उनके कार्यकाल में फर्जी कंपनियों के खाते फ्रीज किए गए और फोर-आर रणनीति से बैंकिंग सिस्टम मजबूत किया, जिसमें बैंकों का ऐतिहासिक विलय भी शामिल था।

कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे, फिर भी पेट्रोल-डीजल में राहत की उम्मीद कम

तेल कंपनियां और सरकार कर रहीं पुराना घाटा पूरा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है, जिससे भारत के लिए औसत आयात मूल्य पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के बाद पहली बार 70 डालर प्रति बैरल से नीचे आ गया है। हालांकि, इस राहत का सीधा फायदा भारतीय उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के रूप में मिलने की संभावना न के बराबर है। इसके पीछे सरकारी तेल कंपनियों और सरकार का एक बड़ा गणित काम कर रहा है। जब वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही थीं, तब भारत में ईंधन के दाम स्थिर रखे गए, जिससे सरकारी तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अब क्रूड सस्ता होने पर कंपनियां पहले उस पुराने नुकसान की भरपाई कर रही हैं। वे पेट्रोल पर करीब 5-6 रुपये प्रति लीटर मुनाफा कमा रही हैं, पर डीजल पर उन्हें अभी भी 8-10 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है, जिसे पेट्रोल के लाभ से पाटा जा रहा है। पेट्रोल-डीजल सस्ता न होने का दूसरा बड़ा कारण सरकार है। संकट के दौरान आम जनता को राहत देने के लिए केंद्र ने मार्च में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। इस कटौती से सरकार को हर महीने लगभग 14,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है, जो कुल 1.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। सरकार भी अब इस बड़े वित्तीय बोझ को पूरा करने के मूड में है।

1 जुलाई से बदलेंगे नियम और बढ़ेंगे खर्चे

आयकर एलपीजी सब्सिडी, पासपोर्ट और रेल यात्रा से जुड़े कई नियमों में होंगे बदलाव

नई दिल्ली।

30 जून कई वित्तीय और सरकारी कामों को निपटाने का आखिरी दिन है। यदि आपने अभी तक इनकम टैक्स, एलपीजी-ईकेवायसी, पासपोर्ट आवेदन जैसे जरूरी काम पूरे नहीं किए हैं, तो तुरंत कर लें। दरअसल, 1 जुलाई से कुछ नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनके कारण आपको आर्थिक नुकसान या बढ़ी हुई फीस का सामना करना पड़ सकता है। इनकम टैक्स से जुड़ा काम- यदि आपने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया है, तो 30 जून तक आयकर विभाग कुछ मामलों में जांच के लिए नोटिस जारी कर सकता है। रिकॉर्ड में अंतर होने पर यह नोटिस मिल सकता है, जिसका समय पर जवाब देना महत्वपूर्ण है। इंडेन, भारत गैस या एचपी गैस के ग्राहकों को 30 जून तक ईकेवायसी कराना अनिवार्य है ताकि सब्सिडी जारी रहे। इसे न करने पर आपकी सब्सिडी रुक सकती है। 1 जुलाई से नए पासपोर्ट या नवीनीकरण की फीस बढ़ जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 249, निफ्टी 80 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 249.70 अंक टूटकर 76,478.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 80.50 अंक नीचे आकर 23,865.75 पर बंद हुआ। था। एक ओर जहां मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली, वहीं लार्जकैप में बिकवाली हावी रही। । निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 230.40 अंक की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 190 अंक बढ़कर 18,863.10 पर था। निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज के शेयर गिरे। सेंसेक्स पैक में टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, के शेयर गिरे।

वैश्विक संकेतों के दम पर बाजार में हल्की बढ़त

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से फिसला निफ्टी 23,900 के करीब

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार को मामूली बढ़त दर्ज की। इस दौरान निवेशकों ने कुछ सतर्कता बरती, लेकिन सकारात्मक धारणा बनी रही। मंगलवार को निफ्टी 50 3.90 अंक बढ़कर 23,950.15 पर और सेंसेक्स 66.71 अंक चढ़कर 76,795.08 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार भी मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा, जिसमें निफ्टी मिडकैप 0.23 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.48 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि वैश्विक सकारात्मकता ने स्थानीय बाजार को सहारा दिया। हालांकि, एक्सिस डायरेक्ट के हेड ऑफ रिसर्च राजेश पालविया ने पिछले सत्र के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि निफ्टी 50 में मुनाफावसूली देखी गई थी, जिससे यह 110 अंक गिरकर 23,946 पर बंद हुआ और 24,000 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया। उन्होंने बताया कि दिन के शुरुआती लाभ बिकवाली के कारण खत्म हो गए, जिसका मुख्य कारण रुपये में कमजोरी और अमेरिका के प्रमुख श्रम बाजार आंकड़ों से पहले निवेशकों की सतर्कता थी।

ईपीएफओ की ऑनलाइन सेवाएं 1 जुलाई से शुरू

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लाखों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना है। संगठन ने डेटाबेस एकीकरण और सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन के चलते अपनी कुछ ऑनलाइन सेवाओं को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। यह व्यवधान 26 जून से शुरू हुआ है और उम्मीद है कि सभी सेवाएं 1 जुलाई से दोबारा शुरू हो जाएंगी। ईपीएफओ ने अपने सदस्यों को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर सूचित किया है कि इस प्रक्रिया के कारण 26 जून से क्लेम सब्मिट करने, पासबुक डाउनलोड करने और नए कर्मचारियों के लिए यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस दौरान ई-पासबुक भी एक्सेस नहीं की जा सकेगी। संगठन ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए बताया कि ये सभी सेवाएं 1 जुलाई से फिर से बहाल हो जाएंगी। ईपीएफओ का मानना है कि अपग्रेडेशन पूरा होने के बाद क्लेम प्रोसेसिंग पहले से अधिक तेज और सुगम होगी, जिससे सदस्यों को बेहतर ऑनलाइन अनुभव मिलेगा और दावों के निपटारे में लगने वाला समय कम होगा। इस दौरान सदस्यों और नियोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने पीएफ से जुड़े लेनदेन की योजना इस अस्थायी व्यवधान को ध्यान में रखकर बनाएं। किसी भी सहायता के लिए ईपीएफओ का हेल्पलाइन नंबर 14470 उपलब्ध रहेगा।

खाद्य महंगाई का खतरा, आलू, प्याज, टमाटर के दामों में फिर तेजी

गर्मी और आपूर्ति बाधित होने से बढ़े दाम, दिल्ली में टमाटर दोगुना महंगा

नई दिल्ली ।

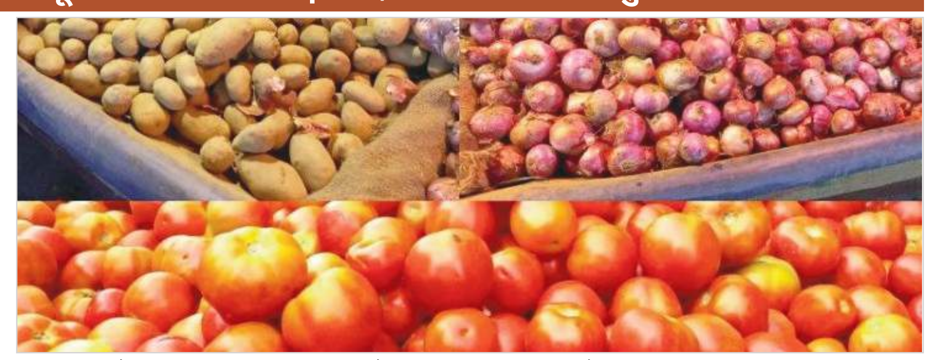

देश के कई शहरों में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। इन प्रमुख सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की महंगाई यानी कि खाद्य मुद्रास्फीति (फूड इंफ्लेशन) बढ़ने का डर सताने लगा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में टमाटर की औसत खुदरा कीमत में 18 फीसदी, प्याज में 11 फीसदी और आलू में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यदि साल-दर-साल के आधार पर देखें तो टमाटर 25 फीसदी और प्याज 3.3 फीसदी महंगा हुआ है, जबकि आलू की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

भीषण गर्मी और आपूर्ति श्रृंखला में कमी का सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों में प्याज की कीमतों में भी 10-20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। अल-नीनो प्रभाव और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने विशेष रूप से टमाटर जैसी नाजुक फसल को सबसे अधिक प्रभावित किया है। आजादपुर प्याज व्यापारी संघ के अनुसार, टमाटर की कम आवक के साथ-साथ गर्मी के कारण इसके परिवहन में भी परेशानी आ रही है। राजस्थान और हरियाणा से दिल्ली आने वाली टमाटर की आपूर्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जानकारों का मानना है कि वर्तमान मौसम और मॉनसून की स्थिति को देखते हुए आने वाले दिनों में टमाटर और प्याज की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसका सीधा असर देश की समग्र महंगाई दर और विशेषकर खाद्य महंगाई पर पड़ने की संभावना है।

बीएटी में 9,000 नौकरियों की छंटनी सिगरेट से वेप की ओर शिफ्ट

तंबाकू दिग्गज का बड़ा पुनर्गठन; लागत घटाने और स्मोक-फ्री उत्पादों पर फोकस

नई दिल्ली ।

दुनिया की प्रमुख तंबाकू कंपनी ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने वैश्विक स्तर पर लगभग 9,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह फैसला सिगरेट की घटती मांग और कंपनी के व्यापार मॉडल को पारंपरिक तंबाकू से हटाकर वेप, ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच जैसे स्मोक-फ्री उत्पादों पर केंद्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएटी इस साल के अंत तक 5,500 कर्मचारियों को निकालेगी, जबकि करीब 3,500 पदों को आउटसोर्स किया जाएगा। यह कदम कंपनी के अमेरिका से बाहर के 47,000 कर्मचारियों में से लगभग 20 प्रतिशत को प्रभावित करेगा। इस पुनर्गठन का लक्ष्य 2028 तक सालाना करीब 600 मिलियन पाउंड (लगभग 6,800 करोड़ रुपये) की लागत बचाना है। कंपनी का मानना है कि 2026 तक रेगुलर सिगरेट की वैश्विक बिक्री में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, इसलिए व्यूस और वेलो जैसे नए उत्पादों पर बड़ा निवेश किया जा रहा है, जिनसे भविष्य की आधी से

ज्यादा आय अर्जित करने का लक्ष्य है। छंटनी के साथ बीएटभ् कई फैक्टरियों को बंद कर रही है और प्रशासनिक कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व ऑटोमेशन का उपयोग बढ़ा रही है। बीएटी के सीईओ टाडेउ मारोको ने इस कठिन निर्णय पर दुःख व्यक्त करते हुए प्रभावित कर्मचारियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। एक्सपर्ट्स इसे तंबाकू उद्योग में एक बड़े बदलाव का संकेत मान रहे हैं, जहां स्वास्थ्य जागरूकता और नए विकल्प कंपनियों को अपने व्यापार मॉडल में बड़े फेरबदल करने पर मजबूर कर रहे हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था को एआई हार्डवेयर का सहारा, जून में विनिर्माण बढ़ा

आधिकारिक पीएमआई मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 हुई

हांगकांग ।

कृत्रिम मेधा (एआई) हार्डवेयर की मजबूत निर्यात मांग के दम पर जून में चीन की विनिर्माण गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 पर पहुंच गया, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत है।

यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहा और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था की चिंताओं के बीच राहत लेकर आया। सर्वेक्षण से पता चला कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक मई के 49.9 से बढ़कर जून में 51.2, और उत्पादन का उप-सूचकांक 51.2 से बढ़कर 51.4 हो गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मुख्य सांख्यिकीविद हुओ लिहुई ने कहा कि जून के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में सुधार का रुख दर्शाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि एआई उत्पादों के बढ़ते निर्यात से चीन इस साल के 4.5 से 5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

दिल्ली कैबिनेट ने नई ईवी नीति को दी मंजूरी

प्रदूषण पर लगाम, इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राजधानी के प्रदूषण पर लगाम कसने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी गई है। यह नीति 1 जुलाई से दिल्ली में लागू होगी और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लक्ष्य दिल्ली को एक स्वच्छ महानगर में बदलना है। इस नीति के तहत, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 30,000 और तिपहिया वाहन खरीदने वालों को 50,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। सभी ईवी पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिसमें 30 लाख तक के चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुरानी बीएस-आईवी गाड़ियों को स्क्रैप करने पर 10,000 से 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार ने भविष्य की गतिशीलता के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। अगले साल 1 जनवरी से केवल

इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा।

अगले चार सालों में 15,000 करोड़ का निवेश कर 30,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य है। नीति अब उपराज्यपाल की अंतिम मंजूरी के लिए भेजी गई है, जिससे दिल्ली में ईवी को अपनाने और वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

भारतीय उद्योग में तेजी, मई में आईआईपी ग्रोथ 5.1 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत में, मई महीने में देश की औद्योगिक गतिविधियों ने ज़ोर पकड़ा है। फैक्ट्रियों का उत्पादन मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)बढ़कर 5.1 फीसदी पर पहुंच गया है, जो अप्रैल के 4.9 फीसदी से अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और बिजली उत्पादन को जाता है, जो उद्योगों में निरंतर मजबूती को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, कंप्यूटर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वहीं, बिजली और गैस सप्लाई सेक्टर में 9.9 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन 18त्न बढ़ा। एंटीक ब्रोकिंग के मुताबिक, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का उत्पादन 12.9 फीसदी बढ़ा, जो कंपनियों के बढ़ते निवेश का स्पष्ट संकेत है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) में भी 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

हालांकि, कुछ चिंताएं भी बरकरार हैं। मई में माइनिंग सेक्टर का उत्पादन 1.6 फीसदी घट गया। इसके अतिरिक्त, कमजोर मानसून और अल नीनो की आशंका के चलते ग्रामीण मांग पर चिंताएं बनी हुई हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार आईआईपी की गणना पद्धति में भी बदलाव किया गया है, जिसमें अब थोक मूल्य सूचकांक की जगह आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स का उपयोग होगा।

कुल मिलाकर, मजबूत औद्योगिक गतिविधियों के साथ, निवेश में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

वित्त मंत्री को 9,400 करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड डिविडेंड

वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सरकारी खजाने में डाली जान

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की झोली में वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड मुनाफे से निकली एक बड़ी रकम डाली है। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों और प्रमुखों की मौजूदगी में, इन बैंकों ने कुल मिलाकर 9,400 करोड़ रुपये से अधिक का डिविडेंड सरकार को सौंपा है, जो उनके शानदार प्रदर्शन और सुधरती वित्तीय सेहत का प्रमाण है। इस बंपर भुगतान से न केवल सरकारी खजाने को बल मिला है, बल्कि यह भी साबित हो गया है कि सार्वजनिक बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी है, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपए का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. देबदत्त चंद ने वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया की मौजूदगी में यह चेक वित्त मंत्री को दिया। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 20,021 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है, जिसके फलस्वरूप यह ऐतिहासिक लाभांश संभव हुआ। अन्य प्रमुख बैंकों ने भी सरकारी खजाने को समृद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 2,416 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक सरकार को सौंपा, जिसके प्रबंध निदेशक अशोक चंद्र ने इसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को प्रदान किया। इसके ठीक पीछे, केनरा बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने वित्त वर्ष 2025-26 के शानदार नतीजों के दम पर 2,397 करोड़ रुपए का चेक देकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इस कतार में इंडियन बैंक ने भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई, जिसके प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने 1,815 करोड़ रुपए का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को सौंपा। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है।

रिकॉर्ड मुनाफे से सरकारी बैंकों ने सरकार को दिए 9,400 करोड़

पिछले वित्त वर्ष के शानदार प्रदर्शन का परिणाम, अकेले बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिए 2,811 करोड़

नई दिल्ली ।

देश के सरकारी बैंकों ने हाल ही में वित्त मंत्रालय के खजाने का रुख किया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 9,400 करोड़ रुपए से अधिक का भारी-भरकम डिविडेंड सौंपा। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के उनके रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे का परिणाम है। इस अप्रत्याशित वित्तीय सहयोग से न केवल सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि यह भी साफ हो गया है कि सरकारी बैंकों के अच्छे दिन अब पूरी तरह लौट आए हैं। वित्तीय सेवा विभाग के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों ने एक के बाद एक कर डिविडेंड के चेक वित्त मंत्री के हाथों में थमाए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी बाजी बैंक ऑफ बड़ौदा ने मारी, जिसने अकेले ही सरकार को 2,811 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा हिस्सा दिया। बैंक ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में अपने इतिहास का सबसे अधिक 20,021 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पहली बार बीस हजार करोड़ के आंकड़े के पार गया है। इस कतार में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी 2,416 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सरकार के हवाले किया। इसके ठीक पीछे केनरा बैंक ने भी 2,397 करोड़ का भारी-भरकम चेक सौंपकर सरकार की वित्तीय ताकत को और बढ़ाया। इंडियन बैंक ने भी 1,815 करोड़ का बड़ा डिविडेंड चेक सीधे वित्त मंत्री को प्रदान किया।

सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों द्वारा दिया गया यह बंपर डिविडेंड इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले पूरे साल के दौरान इन्होंने न सिर्फ अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को सुधारा है, बल्कि अपनी बैलेंस शीट को भी पहले से कई गुना अधिक मजबूत किया है, जिससे केंद्र सरकार को, जो इन बैंकों की सबसे बड़ी शेयरधारक है, यह बंपर रिटर्न मिला है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

संपादकीय

वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडि ?ा में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मयार्दा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मयार्दा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मयार्दा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मयार्दा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मयार्दा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट है: श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मयार्दा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

युद्धविराम उल्लंघन पर ईयू की चिंता, पाकिस्तान से कहा- बातचीत के रास्ते खुले रखें

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने रविवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुए युद्धविराम उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की तेजी से बदलती स्थिति पर चर्चा की। कैलास ने इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) तक पहुंचाने में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका की सराहना की, लेकिन कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और संवाद के रास्ते खुले रखने जरूरी हैं। इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। उन्होंने भी सभी पक्षों से युद्धविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। अमेरिका और ईरान ने 18 जून को शांति बहाली के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इराक में भ्रष्टाचार के आरोप में 5 सांसदों समेत सात गिरफ्तार

बगदाद, एजेंसी। इराक में पांच सांसदों समेत सात लोगों को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां तेल मंत्रालय के पूर्व उप मंत्री अदनान अल जुमैली के बयान के आधार पर की गईं, जिन्हें पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। ग इराकी न्यूज के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के राजधानी के कड़ी सुरक्षा वाले ग्रीन जोन के सभी प्रवेश द्वारों को सील किया और उस परिसर के भीतर छापे मारे, जहां प्रमुख सरकारी संस्थान और विदेशी दूतावास स्थित हैं।

सोशल मीडिया पर अंकुश के लिए अमेरिका में उठी आवाज

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में इससे जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की जा रही है। यहां कई पीड़ितों के परिजनों ने एकजुट होकर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मुहिम शुरू की है। उनके प्रयासों से देश के कई हिस्सों में ऐसे बच्चों की याद में स्मृति दिवस भी मनाया गया, जो सोशल मीडिया के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह आंदोलन धीरे-धीरे टेक कंपनियों की जवाबदेही तय करने की बड़ी ताकत बनता जा रहा है।

सिंगापुर : श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे आईआईटी के पूर्व छात्र

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। इसके तहत आईआईटी के पूर्व छात्र सिंगापुर में प्रवासी श्रमिकों को एआई तकनीक सिखाएंगे। आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने अगले दो वर्षों में लगभग 1,000 प्रवासी श्रमिकों को एआई और डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शुरू किया है। इस उद्देश्य के लिए रविवार को आईआईटी एल्युमनी एसोसिएशन ने माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारतीय उच्चायोग की सक्रिय मदद से यह साझेदारी की गई है। प्रशिक्षण सत्र महीने में दो बार जुरोंग औद्योगिक क्षेत्र के एमडब्ल्यूसी रिक्रिएशन क्लब में आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत अगस्त 2026 से होगी। इस पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और एआई जैसी उभरती तकनीकों को शामिल किया गया है।

हैती और सीरिया के नागरिकों का टीपीएस खत्म करने के ट्रंप के फैसले से रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हैती और सीरिया के हजारों प्रवासियों का टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) समाप्त करने के फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद उभरकर सामने आए हैं। जहां होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने इस फैसले का समर्थन किया, वहीं ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन ने इसे 'गलत फैसला' करार दिया। रविवार को अलग-अलग टीवी कार्यक्रमों में बातचीत के दौरान मार्कवेन मुलिन ने कहा कि टीपीएस कभी भी स्थायी व्यवस्था नहीं थी और इसका उद्देश्य केवल सीमित समय के लिए सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने कहा, 'टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस का मकसद कभी स्थायी नहीं था। लाभार्थियों के पास कई विकल्प हैं। वे स्थायी निवास या अस्थायी वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर अपने देश लौट सकते हैं। यदि वे वापस जाना चाहते हैं तो सरकार उनकी मदद करेगी।' मुलिन ने कहा कि स्वदेश लौटने वाले प्रवासियों को सरकार हवाई टिकट के साथ लगभग 2,100 डॉलर की आर्थिक सहायता भी देगी, ताकि वे अपने देश में दोबारा जीवन शुरू कर सकें।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमला, 29 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान से लगी अपनी सीमा पर हवाई हमले किए, जिसमें 29 लोग मारे गए. डॉन ने यह जानकारी दी. पाकिस्तान के इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अत्ताउल्लाह तरार ने रविवार रात कहा कि पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्स ने पाकिस्तान-अफगान बॉर्डर पर एक अच्छी तरह से प्लान किया हुआ इंटेलिजेंस बेस्ड ग्राउंड ऑपरेशन किया और बॉर्डर इलाके में हमले किए.

मंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के अंदर खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) कैंप, कराची के मासूम लोगों के खिलाफ हाल ही में हुई कई आतंकवादी घटनाओं के बाद की गई. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया कि शनिवार रात कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के प्रांतीय हेडक्वार्टर पर हुए हमले में तीन पाकिस्तानी पैरामिलिट्री के जवान और तीन आतंकवादी मारे गए.

सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट में टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह कन्फर्म नहीं कर पाए कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक सफाई अभियान चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स (ऋ्रञ्ज्स्न) और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री जवान को पैर में गोली लगने के बाद अस्पताल लाया गया था.

इससे पहले डॉन के मुताबिक इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को भी सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी. उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. यह ग्रुप तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप है, जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से भी जाना जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह ऐसे समय में हुआ है जब पूरे देश में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा है.

बाजौर में 4, अफगानिस्तान में 25 आतंकी मारे : अताउल्लाह तरार ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने पर बाजौर जिले में ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें खान फरोश समेत चार आतंकी मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा का बाजौर, अफगानिस्तान से लगा जिला है। इसके बाद अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में तीन अलग-अलग ठिकानों पर हमले किए गए। वहां 25 आतंकी मारे गए। इन ठिकानों पर रखा हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान बोला- नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे : तरार ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, लेकिन अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। पाकिस्तान पिछले साल से अफगान सीमा और उसके भीतर कई बार हमले कर चुका है। उसका कहना है ये हमले टीटीपी और दूसरे आतंकी संगठनों के ठिकाने किए गए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार टीटीपी के आतंकियों को पनाह देती है।

खुफिया जानकारी पर आधारित था ऑपरेशन : पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने स्थानीय मीडिया 'डॉन न्यूज' के हवाले से पुष्टि की है कि यह हमला पूरी तरह से सुनियोजित और खुफिया जानकारी पर आधारित था। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने सीमावर्ती इलाकों में उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से पाकिस्तान विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यह ऑपरेशन रविवार की देर रात शुरू हुआ और इसने सीमा के दोनों तरफ हड़कंप मचा दिया है। सूचना मंत्री तरार के अनुसार, यह सख्त कार्रवाई हाल के दिनों में पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में हुई आतंकी घटनाओं के मद्देनजर की गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और कराची जैसे शहरों में निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया गया था। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि इन हमलों की साजिश सीमा पार से रची जा रही थी, जिसके बाद सरकार ने जवाबी कार्रवाई का फैसला लिया।

गैस संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, अब ईरान से है बड़ी उम्मीद

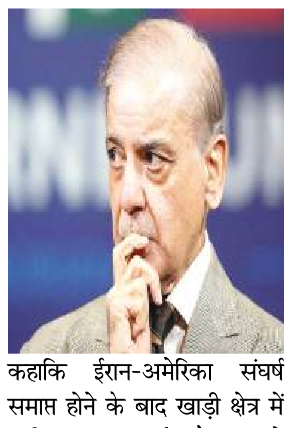

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पिछले कुछ वक्त से गैस की समस्या से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अर्थशास्त्री महमूद रसूल ने कहाकि वहां के अधिकांश हिस्सों में इस समय गैस की गंभीर कमी है। उन्होंने आगे कहाकि सरकार संकट के कारण खासकर पंजाब में उपभोक्ताओं को दिन में कुछ घंटे के लिए गैस दे रही है। इस समस्या से निबटने के लिए पाकिस्तान की नजरें अब ईरान की तरफ लगी हुई हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभाई। अब वह शांति समझौते का फायदा उठाने की तैयारी में है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने अस्थायी तौर पर प्रतिबंधों को आसान कर दिया है। उसने 60 दिन की छूट जारी की है जो ईरान को विशिष्ट शर्तों के तहत कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती है। हालांकि यह प्रतिबंधों की स्थायी छूट नहीं है और यह छूट अमेरिका-ईरान वार्ताओं के परिणाम के आधार पर नवीनीकृत या समाप्त की जा सकती है। इस फैसले के बाद, कई जगहों से ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीदने की मांग उठी है ताकि आम जनता को फायदा हो सके।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने लाहौर में कहाकि ईरान-अमेरिका संघर्ष समाप्त होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में शांति बहाल हुई है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहाकि हम ईरान से सस्ते दामों में तेल और गैस आयात करने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। मलिक ने कहाकि पाकिस्तान सरकार अंतरराष्ट्रीय समझौतों और दायित्वों के अनुसार काम करना जारी रखेगी।

इस दौरान मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ तत्व पेट्रोलियम की कीमतों के बारे में जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की कम कीमतों का फायदा तुरंत जनता तक पहुंचे। अमेरिका-ईरान युद्ध के समय पाकिस्तान में पेट्रोलियम की कीमतें 414 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गई थीं। वर्तमान में, पेट्रोल की कीमत 300 रुपए प्रति लीटर है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद हुई तबाही के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है। नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोग अभी भी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। इस बीच, वेनेजुएला फाउंडेशन फॉर सीस्मोलॉजिकल रिसर्च ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश के मध्य क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे इस हफ्ते की शुरुआत में आए दो विनाशकारी भूकंपों के बाद पहले से ही परेशान लोग और तकलीफ में आ गए। राज्य की भूकंप एजेंसी ने कहा कि ताजा झटके का केंद्र ला गुएरा से लगभग 35 किमी पश्चिम में था, जो सेंट्रल कोस्ट पर एक मुख्य पोर्ट शहर है, जिसे बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों से हुए भारी नुकसान के बाद डिजास्टर जोन घोषित कर दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप 5 किमी की कम गहराई पर आया, जिससे आम तौर पर जमीन का कंपन बढ़ जाता है और स्ट्रक्चरल डैमेज का खतरा भी बढ़ता है। काराकास और आस-पास के इलाकों में रहने वालों ने बताया कि उन्हें भूकंप के झटके महसूस हुए और कई लोग बिल्डिंग के और गिरने के डर से बाहर भागे। यह भूकंप बुधवार को इस इलाके में दो बड़े भूकंप के झटकों के कुछ ही दिन बाद आया है। पिछले हफ्ते 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप से बहुत ज्यादा तबाही हुई, जिसमें बिल्डिंग गिरना, भूस्खलन और मौतें शामिल थीं। अधिकारियों को राहत के कामों में तालमेल बिठाने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि बचाव दल तटीय और पहाड़ी इलाकों में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

फ्रांस में 'स्काइडाइविंग' विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 लोगों की मौत, सऊदी हेलीकॉप्टर क्रैश में 14 की गई जान

नैंसी (फ्रांस), एजेंसी। उत्तर-पूर्वी फ्रांस में रविवार को 'स्काइडाइविंग' में इस्तेमाल होने वाला एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी. मर्थ-ए-मोसेल क्षेत्र के अधिकारी यवेस सेगुई ने दुर्घटनास्थल के पास पत्रकारों को बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजे नैंसी शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ. उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अधिकारी चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रहे हैं.

हादसे की असली वजह सामने नहीं आई : फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विमान तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से क्रैश हुआ. ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी डेटा की जांच के बाद ही दुर्घटना की असली वजह साफ हो पाएगी यह हादसा फ्रांस के हालिया सबसे गंभीर विमान हादसों में से एक माना जा रहा है. गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं. पुलिस ने लोगों से साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट इलाके से पूरी तरह दूर रहने को भी कहा था. पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आपातकालीन सेवाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए रास्ता साफ़ रखने के लिए, घटनास्थल पर न जाएं. उनकी कार्रवाई में सहयोग करने के लिए धन्यवाद।

सऊदी अरब में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर : सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी ने रविवार को बताया कि सऊदी अरब की बड़ी तेल कंपनी 'अरामको' का एक हेलीकॉप्टर देश के 'रास तनूरा' इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई. हेलीकॉप्टर दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच चल रही है. 'रास तनूरा' में पश्चिम एशिया क्षेत्र की सबसे बड़ी रिफाइनरी है और इसे सऊदी अरामको ही चलाती है. सऊदी प्रेस एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोग सऊदी अरब के नागरिक थे. पूर्वी फ्रांस में रविवार को नैन्सी शहर के निकट टॉमब्लेन इलाके में यह विमान हादसा हुआ है। इसमें पायलट समेत 11 लोगों सवार थे।

सभी की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का है। हादसे पर जानकारी देते हुए स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में विमान पायलट समेत विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोग स्काई डाइविंग के लिए जा रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस ने लोगों से टॉमब्लेन हवाई अड्डे वाले इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया है।

विश्व युद्ध का खतरा टला? अमेरिका और ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर में होगी 'होर्मुज' पर महाबैठक

दोहा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान अब आपसी सैन्य हमलों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर था और दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की आशंका से सहमी हुई थी।

सीजफायर के बाद भी जारी थे हमले : अमेरिका और ईरान के बीच अभी हाल ही में सीजफायर लागू हुआ था, लेकिन उसके बाद भी पिछले 24 घंटों के भीतर ही दोनों ओर से एक-दूसरे के ठिकानों पर फिर से हमले किए गए, जिससे इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, अब 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों पक्ष फिलहाल 'काइनेटिक एक्टिविटी' यानी सैन्य हमलों और आक्रामक कार्रवाइयों को पूरी तरह से रोकने के लिए राजी हो गए हैं।

कतर में होगी निर्णायक बैठक : तनाव को कम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम कतर की राजधानी दोहा में उठाया जाएगा। मंगलवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल एक मेज पर बैठेंगे ताकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर जारी विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। होर्मुज जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है और इस पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

ट्रंप की चेतावनी : इस समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो वे युद्ध को दोबारा शुरू कर 'काम पूरा कर देंगे' और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने भी पलटवार करते हुए साफ कर दिया था कि यदि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो भविष्य की सभी कूटनीतिक बातचीत और रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर राहत : समझौते का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के हो सकेगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटने को तैयार हैं ताकि कतर में होने वाली बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे स्थिति अभी भी थोड़ी संवेदनशील बनी हुई है।

लोकतंत्र बहाल करने के लिए लौटूंगी बांग्लादेश: शेख हसीना

ढाका, एजेंसी। भारत में लंबे समय से निर्वासन में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वतन वापसी का बड़ा दावा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इसी साल वह बांग्लादेश वापस जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस वापसी में उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है। वे बांग्लादेश में कानून के शासन, लोकतंत्र और लोगों के राजनीतिक अधिकार की बहाली के लिए वापस जाएंगी। इंटरव्यू के दौरान हसीना ने बांग्लादेश में उनकी पार्टी अवामी लीग पर लगे प्रतिबंधों, अंतरिम सरकार, बांग्लादेश की राजनीति, अपने खिलाफ मौत की सजा, देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और भारत में निर्वासन पर विस्तार से बात की है।

कार्यकर्ताओं को दिया संदेश : शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के एक्स हैंडल पर बांग्लादेश वापसी की जानकारी देते हुए पोस्ट किया गया। पोस्ट में लिखा कि पार्टी के 77वें साल पर हमारे नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए मेरा संदेश साफ है। एकजुट रहें और लोगों के साथ खड़े रहें। हर गांव, हर मोहल्ले, हर वार्ड और हर यूनियन में लोगों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करें। सताए हुए लोगों का साथ दें।

आगे उन्होंने लिखा कि अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बच्चों, मेहनतकश लोगों, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों की सुरक्षा और सम्मान के मामले में कोई समझौता न करें। अवामी लीग की राजनीति बदले की भावना वाली नहीं है। यह अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और विकास की राजनीति है। अवामी लीग लोगों के साथ थी, लोगों के साथ है और लोगों के साथ रहेगी। लोगों की ताकत से अवामी लीग फिर से आगे बढ़ेगी।

मौत से नहीं डरतीं: शेख हसीना : मौत की सजा पर शेख हसीना ने बताया कि वे मौत से नहीं डरतीं। उन्होंने बताया कि 1975 में मैंने अपना परिवार खोया है। मुझ पर भी 21 अगस्त को ग्रेनेड से हमला हुआ था। मेरे खिलाफ कई बार साजिश रची गई, फिर भी मैं लोगों के साथ खड़ी रही। बांग्लादेश की जनता ने मुझे 5 बार देश का प्रधानमंत्री चुना। अपने कार्यकाल में मैंने देश के विकास के लिए बहुत काम किया।

विपक्ष पर लगाया गंभीर आरोप : इंटरव्यू में शेख हसीना ने बताया कि उनके खिलाफ कोर्ट से जो फैसला आया था, वह राजनीतिक बदले की भावना से किया गया था। उन्होंने इसे अवामी लीग पार्टी को कमजोर करने और नेतृत्व खत्म करने की साजिश बताया। बांग्लादेश सरकार की मौजूदा व्यवस्था पर भी शेख हसीना ने कई सवाल खड़े किए। हसीना ने सरकार पर आरोप लगाया कि देश का लोकतंत्र कमजोर हो गया है। वहां आम लोगों की सुरक्षा खतरे में है। कानून का शासन नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था भी कमजोर हुई है। इस दौरान पूरे देश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कार्रवाई की गई।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख की चेतावनी: यूरोप में हीटवेव से हुई 1300 से अधिक 'अतिरिक्त' मौतें

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रियेसस ने यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी (हीटवेव) को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यूरोप में गर्मियों की शुरुआत में आई यह अभूतपूर्व हीटवेव सैकड़ों अतिरिक्त मौतों के लिए जिम्मेदार हो सकती है। रविवार को पूरे महाद्वीप में तापमान के कई रिकॉर्ड टूट गए, और भीषण गर्मी का यह दौर अब पूर्वी यूरोप की ओर भी बढ़ता जा रहा है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट में डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने बताया कि 21 जून के बाद से यूरोप में 'उच्च तापमान से जुड़ी' 1,300 से अधिक अतिरिक्त मौतों के मामले दर्ज किए गए हैं। अनुकूल नहीं हैं इमारतें: टेड्रोस ने कहा कि गर्मी से होने वाले शारीरिक तनाव को अक्सर 'साइलेंट किलर' (खामोश कातिल) कहा जाता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि यूरोप के घर, दफ्तर और स्कूल इतने अधिक तापमान को सहने के लिए तैयार नहीं किए गए हैं। दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा यूरोप: उन्होंने चेतावनी दी कि यूरोप पृथ्वी का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यहां तापमान में बढ़ोतरी की रफ्तार वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी है। टूट रहे रिकॉर्ड: यूरोप में पड़ रही इस भीषण गर्मी के कारण जर्मनी, पोलैंड और चेक रिपब्लिक जैसे देशों में भी तापमान के नए रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं।

फ्रांस में सबसे ज्यादा असर, 1000 से अधिक मौतें : भीषण गर्मी का सबसे घातक असर फ्रांस में देखने को मिल रहा है। रविवार सुबह फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार

हालात बेहद चिंताजनक हैं: बुधवार से अब तक देश में अपेक्षा से करीब 1,000 अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। इन अतिरिक्त मौतों में सबसे बड़ी संख्या 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों की है। गर्मी के कारण घरों के भीतर होने वाली मौतों की संख्या में 40 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी : विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने चेतावनी दी है कि यूरोप दुनिया का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यह वैश्विक औसत से दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 15 करोड़ लोग भीषण गर्मी में रह रहे हैं। स्कूलों को बंद करना पड़ा है और बिजली ग्रिड फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के बिना इतनी भीषण गर्मी और उमस मुमकिन नहीं थी।

तापमान के टूटे रिकॉर्ड : जर्मनी, पोलैंड और चेक गणराज्य में गर्मी के पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं। जर्मनी के नीसेमुंडे में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। चेक गणराज्य में अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां पारा 41.9 डिग्री तक चला गया। पोलैंड में भी तापमान 40.5 डिग्री के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

फेशियल से चेहरे की मालिश हो जाती है, इससे रक्त का प्रवाह ठीक होता है। साथ ही चेहरे पर इकट्ठा होने वाली मृत कोशिकाएँ भी फेशियल की प्रक्रिया में हट जाती हैं। इससे चेहरे पर जल्दी झुर्रियाँ नहीं आतीं व भीतर से दमकती त्वचा की परत ऊपर दिखाई देती है।

बार-बार फेशियल करना नुकसानदेह

फेशियल से चेहरा चमकाने का प्रचलन आजकल सिर्फ विशिष्ट वर्ग की महिलाओं में ही नहीं रहा है, आम मध्यमवर्गीय महिला भी अब 'फेशियल' की प्रक्रिया से सुपरिचित है। पड़ोस के ब्यूटी पार्लर में जाकर ही सही आजकल अधिकांश महिलाएँ फेशियल करवाती हैं। निश्चित ही चेहरे के प्रति इस जागरूकता का उन्हें फायदा मिलता है।

फेशियल से चेहरे की मालिश हो जाती है, इससे रक्त का प्रवाह ठीक होता है। साथ ही चेहरे पर इकट्ठा होने वाली मृत कोशिकाएँ भी फेशियल की प्रक्रिया में हट जाती हैं। इससे चेहरे पर जल्दी झुर्रियाँ नहीं आतीं व भीतर से दमकती त्वचा की परत ऊपर दिखाई देती है।

कोई भी अच्छी चीज हो उसकी अति बुरी होती है। यही फेशियल के साथ भी होता है। कुछ महिलाओं को लगता है कि हर हफ्ते फेशियल करवाने से अथवा हर पार्टी से पहले फेशियल करवाने से फायदा होगा, तो ऐसा नहीं होता।

त्वचा के सेल टर्नओवर का साइकल 28 दिनों का होता है। उतने समय में ही मृत कोशिकाओं की परत चेहरे पर बनती है। अत: महीने में एक बार या बहुत जरूरी हो तो तीन हफ्ते में एक बार ही फेशियल करवाया जाना चाहिए।

उससे पहले फेशियल करवाने का कोई फायदा नहीं, बल्कि मृत त्वचा की ऊपरी परत न होने की वजह से असली स्किन को रगड़ खाने का डर रहता है। अत: फेशियल से चेहरा दमकाइए जरूर, पर जल्दी-जल्दी नहीं।

डैंड्रफ हो जाएगा छू-मंतर

डैंड्रफ के दूरगामी परिणाम सफेद बाल, बालों का कमजोर होना, सिर में खुजली की समस्या आदि होते हैं। कई बार अलग-अलग प्रकार के शैंपू इस्तेमाल करने के बावजूद भी इस समस्या का कोई स्थायी हल नहीं निकलता है और कुछ समय बाद डैंड्रफ फिर से हमारे सिर में कब्जा जमा लेती है।

हमारी प्रकृति ने हमें कई ऐसे पदार्थ प्रदान किए हैं, जिनके इफेक्ट तो बहुत हैं परंतु साइड इफेक्ट ना के बराबर हैं। आप भी आजमाएँ कुछ ऐसे ही नुस्खे और बनाएँ अपने बालों को घना, काला, चमकदार व डैंड्रफ फ्री।

- एक कप पानी में आधे नींबू का रस मिलाकर शैंपू करने के बाद इस घोल से सिर धोएँ। एक माह में दो बार प्रयोग करने से धीरे-धीरे डैंड्रफ समाप्त होने लगती है।
- रात्रि में नारियल के तेल में भी नींबू का रस मिलाकर सिर में मालिश करके सुबह बालों में शैंपू करने पर डैंड्रफ समाप्त होती है।
- ताजे नारियल के दूध को छानकर उससे सिर की मालिश करें तथा अगले दिन सिर धो लें।
- नारियल के तेल में यूकेलिप्टस के तेल की कुछ बूँदें मिलाकर सिर की मालिश करना चाहिए।
- नारियल के तेल को हल्का गर्म करके इसमें एक लहसुन की कली तथा एक चम्मच तिल का तेल मिलाकर कुछ देर रखें तथा फिर इस तेल से सिर की मालिश करें।

पहचानें बच्चे की प्रतिभा....

आपने कहीं-न-कहीं अवश्य ही यह सुना होगा- कि 'बच्चे को जन्मजात ही अमुक-अमुक हुनर ईश्वर के यहाँ से गिफ्ट मिला है, या यह प्रतिभा तो उसे ईश्वर ने जन्म के साथ ही दे दी है।' यह बात बहुत हद तक सच भी होती है क्योंकि हर बच्चे में कोई न कोई अच्छाई या यूँ कहे कि किसी एक कला को लेकर उसकी रुचि अवश्य होती है जो हमें दिखाई तो देती है, लेकिन समयाभाव के कारण हम बच्चों की उस प्रतिभा से रू-ब-रू नहीं हो पाते जिससे कि आपका बच्चा प्रतिभावान होते हुए भी अपनी प्रतिभा को खुलकर दिखाने में कामयाब नहीं हो पाता। इसके कई कारण भी हो सकते हैं।

- कई माँ-बाप ऐसे हैं जो जबरदस्ती अपने बच्चों पर उनकी बात थोपते हैं या उन्हें हर बार कुछ न कुछ कह कर अपनी बात मनवाने के लिए मजबूर करते हैं। इससे होता यह है कि आपका बच्चा प्रतिभावान होने के बाद भी जीवन में सही मायनों में कुछ भी नहीं कर पाता क्योंकि वह करना कुछ और चाहता है और आप उसे कहीं और ही धकेल देते हैं। ऐसे में बच्चे मायूस हो जाते हैं। और कुछ भी न कर पाने की क्षमता उनमें विकसित होती चली जाती है। फिर माँ-बाप हर किसी के सामने अपने बच्चों की कमियों और खामियों को कहते फिरते हैं जिससे बच्चों के मन में कुंठा घर कर लेती है और उस वजह से बच्चा मन ही मन कुढ़ता रहता है, तनावग्रस्त हो जाता है और कुछ भी नहीं कर पाता।
- दूसरी ओर कई माँ-बाप ऐसे होते हैं जो अपने बच्चों की बातों को ध्यान से सुनते हैं, उनका हौसला बढ़ाते हैं उनकी हर बात को तो नहीं लेकिन फिर भी कुछेक बातों को सुनकर-समझकर फैसला करते हैं जिससे बच्चों की रुचि बढ़ती ही चली जाती है और वे बच्चे बड़े होकर एक-न-एक दिन समाज में अपनी प्रतिभा का ऊँचा झंडा फहराते हैं और यह सब हो पाता है माता-पिता या घर के बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बढ़ाए गए उनके आत्मविश्वास से।
- अगर आप अपने बच्चों की प्रतिभा को सँवारने का प्रयास कर रहे हैं तो ऐसे में आप उनका हौसला बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें मुखर बनाने की भी कोशिश करें यह उनकी प्रतिभा को निखारने में बहुत सहायक होगा। मुखर बच्चे कहीं भी अपनी बात के प्रदर्शन से हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेने की क्षमता रखते हैं इससे निश्चित ही उनकी कला-प्रतिभा में अवश्य निखार आएगा।
- अपने बच्चों को बचपन से ही हर तरह की सामाजिक हो या स्कूली दिनों में होने वाली तमाम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते रहें जिससे वह हर जगह बिना संकोच के अपनी प्रतिभा दिखाने में कामयाब हो सके। अगर बचपन से ही बच्चों में इसी प्रकार के गुणों को विकसित किया गया तो बड़े होकर वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में कामयाब जरूर होंगे।
- आपका बच्चा अगर जिद्दी, हठी है या फिर पढ़ाई में कमजोर भी है तो भी हर समय उसकी आलोचना न करें। उसके मन में कभी भी यह भाव न पैदा होने दें कि हे भगवान मुझे इस घर में जन्म ही क्यों दिया। बच्चों की बार-बार उपेक्षा करने के कारण बच्चे अपने आपसे आत्मग्लानि करने लगते हैं जिस वजह से उन्हें जरा-सा भी कुछ कहने पर वह कहने लगते है, हाँ! मैं तो ऐसा ही हूँ, और यही बात उनके सफलता में रोड़े अटकाने लगते हैं।
- घर में अगर एक से ज्यादा बच्चे हैं तो कभी भी एक बच्चे को ज्यादा तवज्जो न दें। उसकी हरेक बात न मानें इससे बाकी बच्चों के मन में उस बच्चे के प्रति ईर्ष्या की भावना निर्मित हो सकती है जो आपके बच्चे के प्रगति में घातक सिद्ध हो सकती है। ऐसे में सभी बच्चों के साथ एक समान व्यवहार करें और सभी की बातों को सुनने के बाद ही कोई फैसला करें। कोई भी गलती किसी एक पर न थोपें।

फलों की रबड़ी

सामग्री : एक लीटर दूध, 200 ग्राम शक्कर, 1 चुटकी केसर, 1 चम्मच इलायची पावडर, 300 ग्राम ताजे फल (कटे हुए केले, संतरा, अनार दाने, अंगूर, चीकू)।

विधि : कड़ाही में दूध डालकर उबलने के लिए रखें। जब वह उबलने लगे तो उसमें शक्कर डालें और तब तक चलाएँ जब तक कि गाढ़ा न हो जाए।

केसर को थोड़े-से दूध में घिसकर डाल दें और इलायची पावडर भी डालें। जब ठंडा हो जाए तो फल डाल दें। फिर ठंडा करके परोसें।

सौंदर्यवर्द्धक है दही

हमारे खान-पान में ऐसी कई चीजें शामिल हैं, जिनमें खूबसूरती और स्वास्थ्य का खजाना छिपा होता है। दही भी एक ऐसा ही खजाना है, जिसका उपयोग हर तरह से फायदेमंद है। आइए जानें दही के गुण-

- दही में नीबू का रस मिलाकर चेहरे, गर्दन व हाथ-पाँव में लगाएँ। 20 मिनट बाद धो लें, हाथ-पैर मुलायम होंगे व चेहरे पर चमक आएगी।
- बाल धोने से 1 घंटा पहले यदि बालों में दही लगाया जाए तो शैंपू के बाद कंडीशनर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।
- चौकर के साथ दही मिलाकर लगाने से ब्लैक हैडस कम होते हैं।
- दही में बेसन मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के पोर अच्छी तरह से साफ होते हैं।
- दही में शहद मिलाकर बालों पर लगाने से यह कंडीशनर का काम करता है।
- मुल्तानी मिट्टी के साथ दही अच्छे क्लींजिंग एजेंट का काम करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3229

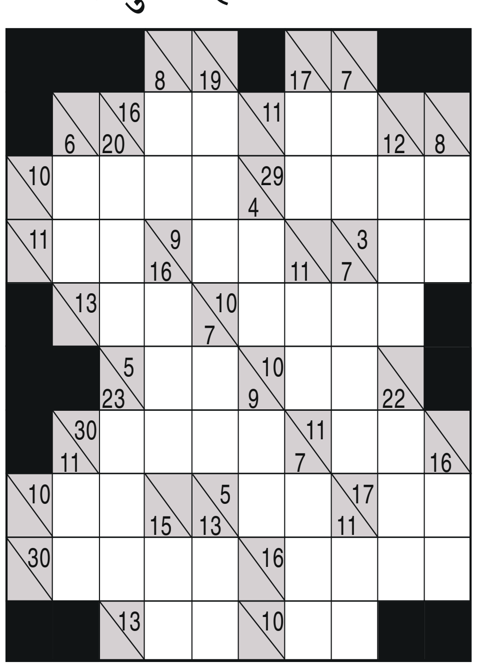

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

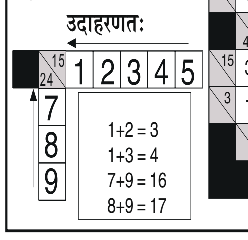

काकुरो - 3228 का हल

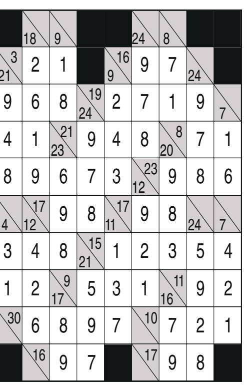

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा- ''नाखुश हो गए ?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला- ''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3229

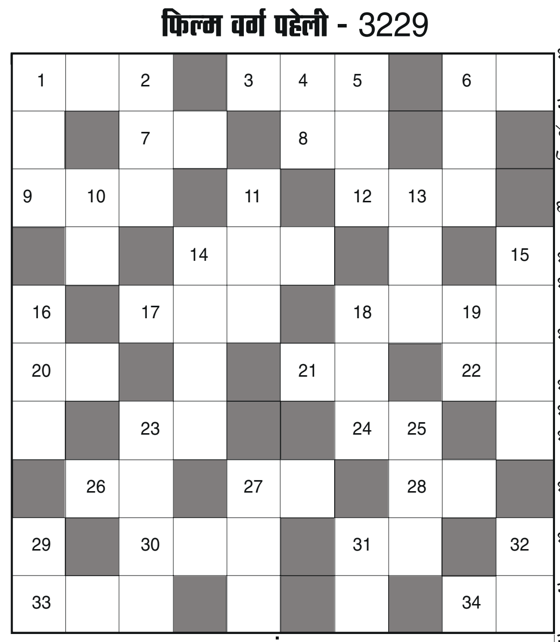

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3228

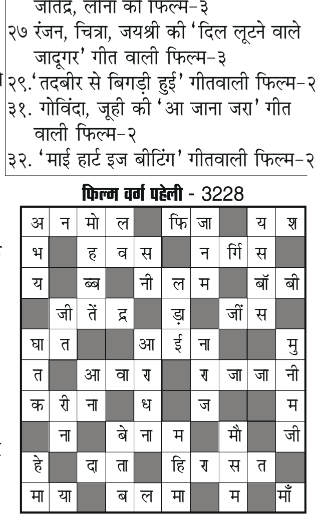

सूडोकु -3229

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3228 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 3229

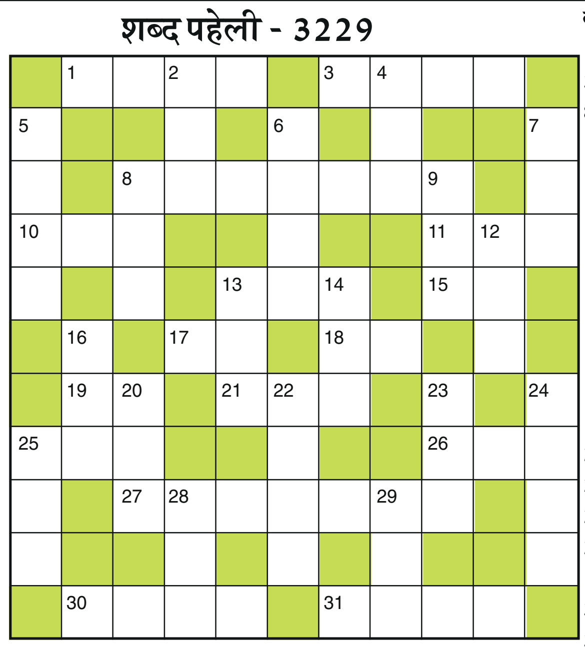

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3228 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

धर्मांतरण पर आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार बोले, मजबूत भारत के लिए जरूरी है धार्मिक सम्मान

एजेंसी

रायपुर । आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान धर्मांतरण और यूसीसी पर विस्तार से बात की। उन्होंने देश में धर्मों का सम्मान होना चाहिए, धर्मांतरण नहीं। मीडिया से बातचीत के दौरान इंद्रेश कुमार ने कहा कि सच तो यह है कि किसी भी देश में धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। धर्मों का सम्मान यह बुनियादी संवैधानिक मूल्य है और मौलिक अधिकार भी है। इसलिए भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसमें भारत में उपजे सभी धर्म, जातियां और उपधर्म यहां मौजूद हैं। इतना ही नहीं, जो धर्म भारत से बाहर जन्मे हैं, जैसे यहूदी, पारसी, मुस्लिम, ईसाई आदि, उन्हें भी यहां पूर्ण रूप से स्वीकार किया गया है। देश के अंदर धर्मांतरण नहीं, बल्कि धर्मों का सम्मान होना चाहिए। यही सच्चा लोकतंत्र है। अगर हम इस पर चलें तो मजबूत भारत बनेगा, शांति और सद्भाव का रास्ता खुलेगा। उन्होंने कहा कि भारत ही यह कार्य कर सकता है। इसलिए हमारा संदेश है कि धर्मों का सम्मान करें, धर्मांतरण नहीं। पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लाने की तैयारी के बीच इंद्रेश कुमार ने कहा, 'हम एक देश हैं, एक जन हैं और एक ही झंडा है। हम भारत के लोग सब भारतीय हैं और हिंदुस्तानी के रूप में जाने जाते हैं। यूसीसी जितनी भी मौलिक स्वतंत्रताएं हैं, उनमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करता।

एल नीनो की चुनौतियों का डटकर सामना करें किसानः चंद्रबाबू नायडू

अमरावती । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने किसानों से एल नीनो जैसी प्राकृतिक चुनौती का साहसपूर्वक सामना करने की अपील की। एल नीनो एक ऐसी जलवायु संबंधी घटना है, जो सामान्य वर्षा चक्र को प्रभावित करती है। मुख्यमंत्री ने नए कृषि सीजन की शुरुआत का प्रतीक माने जाने वाले एरुवाका पूर्णिमा के अवसर पर किसानों को शुभकामनाएं दीं। वहीं, कृषि मंत्री के अच्चन्नायडू ने भी किसानों से एल नीनो की चुनौती का हिम्मत के साथ सामना करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के दिन किसान एरुवाका की परंपरा निभाते हैं। इस अवसर पर वे भूमि और पशुधन की पूजा करते हैं तथा स्वयं को प्रकृति के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि किसानों के घर भरपूर फसल की खुशियों से रोशन हों। हम उस भूमि में जन्मे हैं, जहां प्रकृति की पूजा की जाती है और हम उन परंपराओं का सम्मान करते हैं। आइए, प्राकृतिक खेती को अपनाकर अपनी भूमि और स्वास्थ्य को विषैले तत्वों से सुरक्षित रखें। ' मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधन सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए हमेशा सक्रिय कदम उठाएगी। इसी क्रम में अन्नदाता सुखीभव योजना के तहत सरकार ने पीएम किसान की राशि किसानों के खातों में जमा कर उनका सहयोग किया है।

तेजस्वी यादव ने 'रिशु श्री महाघोटाले' पर बिहार की एनडीए सरकार से पूछे सवाल

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कथित 'रिशु श्री महाघोटाले' को लेकर राज्य की एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार से 20 सवाल पूछते हुए आरोप लगाया कि हजारों करोड़ रुपये के इस कथित घोटाले में बड़े अधिकारियों और सत्ता से जुड़े लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। तेजस्वी यादव ने एक बयान जारी कर सवाल उठाया कि एक मामूली ठेकेदार कई विभागों के टेंडरों को अपनी मर्जी से कैसे प्रभावित कर रहा था और इतने वर्षों तक सरकारी निगरानी तंत्र क्या कर रहा था। उन्होंने कहा कि यदि जांच एजेंसियों के सामने आए चैट सही हैं, तो यह स्पष्ट करता है कि आरोपी को वरिष्ठ अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त था। ऐसे में यह सामने आना चाहिए कि वह किसके इशारे पर अधिकारियों को निर्देश देता था। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच में केवल छोटे अधिकारियों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि कथित तौर पर बड़े अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण देने वालों को बचाया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि दो आईएएस अधिकारियों के निलंबन के बावजूद उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई और चार्जशीट में उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया कि जांच में सरकारी विभागों में बिल पास कराने और टेंडर दिलाने के बदले दो से साढ़े तीन प्रतिशत तक कमीशन लिए जाने की बात सामने आई है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्यपाल से यूसीसी, रोजगार और निवेश पर की चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजधानी भोपाल स्थित लोकभवन में राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्यपाल पटेल को समान नागरिक संहिता सहित कई कार्य योजनाओं से अवगत कराया। साथ ही रोजगार और निवेश पर भी चर्चा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्यपाल पटेल से मुलाकात के बाद कहा कि राज्यपाल को प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर नौ लाख से अधिक प्राप्त सुझावों, व्यापक जनसमर्थन एवं आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्यपाल के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन, गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा में प्रस्तावित शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, चार कृषि उपज को प्राप्त जीआई टैग से किसानों को मिलने वाले लाभ, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार, एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन, औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न प्रयासों एवं उपलब्धियों पर भी चर्चा हुई।

राजस्व मामलों के निस्तारण में देरी पर बोले सीएम योगी, समयसीमा के भीतर दिलाएं न्याय

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उनका प्रार्थना पत्र लिया और संबंधित अधिकारियों को देकर निर्देशित किया कि सभी लोगों की समस्याओं का समाधान तय समयसीमा के भीतर हो। इसके उपरांत पीड़ित पक्ष से बात कर उनकी संतुष्टि के बारे में जानकारी ली जाए। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप बेफिक्र होकर घर जाइए, हम हर मामले का उचित निस्तारण कराएंगे। बरेली से आई एक महिला ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने कैंसर के इलाज के लिए सीएम से गुहार लगाई और आर्थिक सहायता की मांग की। सीएम ने उनसे हॉस्पिटल का एस्टिमेट मांगा, जिसे

वह तत्काल उपलब्ध न करा सकीं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप हॉस्पिटल से एस्टिमेट मंगवा लीजिए। आप स्वास्थ्य पर ध्यान दें, इलाज की चिंता सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने मरीज को एडमिट कराने और उनके समुचित इलाज के लिए भी निर्देशित किया। 'जनता दर्शन' में राजस्व संबंधी मामले भी आए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। इस पर निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। सीएम ने राजस्व मुकदमों के समयबद्ध निस्तारण पर भी जोर दिया और कहा कि इस पर जल्द निर्णय होने से वादकारियों को समय से राहत मिलती है। राजस्व से जुड़े अधिकारी समय से न्यायालय में बैठें। इस संबंध में निर्णय भी जल्द दें, क्योंकि ऐसा न होने से गरीब वादकारी अधिक प्रभावित होते हैं। वादकारियों को न्याय दिलाना सरकार की मंशा है। इसके अनुरूप राजस्व से जुड़े अधिकारी जरूरतमंदों को न्याय दिलाएं। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जनता दर्शन की फोटो शेयर करते हुए लिखा, ''जन-सेवा, सुरक्षा और सुशासन का संकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं एवं सभी के प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।''

चुनावी रणनीति की समीक्षा करने के लिए 3-4 जुलाई को लखनऊ का दौरा करेंगे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

एजेंसी

लखनऊ । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ का दौरा करने वाले हैं। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष तीन और चार जुलाई को यूपी की राजधानी का दौरा करेंगे। उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भाजपा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारी तेज कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा प्रमुख पार्टी के संगठनात्मक कामकाज की व्यापक समीक्षा करेंगे और राज्य में चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे। उत्तर प्रदेश भाजपा के नए संगठनात्मक ढांचे की घोषणा और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति को लेकर उनका दौरा अहम माना जा रहा है। भाजपा की ओर से उत्तर प्रदेश के लिए एक नई संगठनात्मक टीम की घोषणा की गई और विधानसभा चुनावों से पहले अपनी राज्य इकाई में बड़ा फेरबदल किया गया। राज्य अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची में कई अहम पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं, जिनमें 19 राज्य उपाध्यक्ष, आठ राज्य महासचिव और 19 राज्य सचिवों के नाम हैं। यह फेरबदल सामाजिक समूहों और क्षेत्रों के बीच संतुलन बनाने के साथ-साथ नए चेहरों को शामिल करने और उन्हें अहम जिम्मेदारियां सौंपने की पार्टी ने कोशिश की है। नितिन नवीन संगठनात्मक तालमेल, जमीनी स्तर पर लामबंदी और आगामी चुनावों के लिए रोडमैप पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ पार्टी नेताओं और विभिन्न संबद्ध संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे।

राम मंदिर दान चोरी मामले में दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाईः कैबिनेट मंत्री राकेश सचान

एजेंसी

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामले को गंभीर घटना बताते हुए कहा है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भक्तों की आस्था और भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने फतेहपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही। राकेश सचान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'अयोध्या मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं संज्ञान लिया है और एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामले में आठ लोगों को जेल भेजा गया है और पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर भी लिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच निष्पक्ष होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।' उन्होंने कहा, 'घटना गंभीर है और मुख्यमंत्री ने इसका संज्ञान लिया है। मामले में एफआईआर दर्ज हुई है, जिसमें आठ लोग जेल भी गए हैं। पुलिस ने रिमांड पर भी लिया है। मुख्यमंत्री लगातार कह रहे हैं कि दूध का दूध और पानी का पानी होगा। जो भी लोग इसमें लिप्त हैं, उन्हें कड़ी से

कड़ी सजा मिलेगी। '

राम मंदिर से जुड़े मामले में विपक्ष के रुख पर उन्होंने कहा, 'जब जानकारी सामने आई, तभी एसआईटी का गठन किया गया और रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई शुरू हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कर दिया है कि कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा और सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी। '

पश्चिम बंगाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर चल रही चर्चा पर भी मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में बदलाव की उम्मीद जगी है। पहले वहां अराजकता का माहौल था, लेकिन अब लोगों को बदलाव महसूस हो रहा है। जिन लोगों की गुंडागर्दी खत्म हुई है, उन्हें ही परेशानी हो रही है। '

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिल्ली में लापता होने वाले पोस्टरों पर भी मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी जनता के प्रतिनिधि हैं और लोगों को उनसे उम्मीद रहती है कि वे अपने क्षेत्र और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाएं। पोस्टर लगाने वालों के अपने कुछ मुद्दे रहे होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने यह कदम उठाया है।

उद्धव ठाकरे हमारी नहीं, अपनी पार्टी की चिंता करें : चंद्रशेखर बावनकुले

एजेंसी

नागपुर (महाराष्ट्र) । महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा राम मंदिर को लूटने वाली बाबर की पार्टी है। मंत्री चंद्रशेखर ने उद्धव ठाकरे को हिदायत देते हुए कहा कि आपके लिए यह मुनासिब रहेगा कि आप लोग भाजपा की चिंता छोड़कर अपने बारे में सोचें। अपनी पार्टी के बारे में सोचें। आज की तारीख में आपकी पार्टी की दुर्गति कैसी है, यह बात किसी से छुपी नहीं है। किस तरह से आपकी पार्टी के विधायक और सांसद आपको छोड़कर दूसरी पार्टी का दामन थाम रहे हैं, यह बात भी किसी से छुपी नहीं है। ऐसी स्थिति में आपके लिए यह जरूरी हो जाता है कि आप लोग हमें हिदायत देना बंद करके खुद का आत्मचिंतन करें। उन्होंने आगे कहा कि उद्धव ठाकरे को समझना होगा कि भाजपा सत्ता के लिए काम नहीं करती है, बल्कि विचारों और सिद्धांतों के लिए काम करती है और उसके साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं

करती है। उद्धव ठाकरे ने आज की तारीख में अपनी पार्टी की बागडोर कांग्रेस के हाथों में सौंप दी है। इस वजह से उनकी स्थिति ऐसी हो चुकी है कि उनके पास टीका टिप्पणी करने के अलावा कुछ नहीं बचा है। लेकिन, उन्हें यह समझना होगा कि इससे कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है। अगर उन्हें लगता है कि इससे कुछ भी प्राप्त होगा, तो मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि इससे इन्हें कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री ने कहा कि उद्धव ठाकरे भाजपा को लेकर अपने मन में मौजूद भड़ास को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि आज की तारीख में लोग इस बात को महसूस कर चुके हैं कि अगर कोई बाला साहेब ठाकरे के सिद्धांत को आगे ले जाने का काम कर सकता है, तो वह एकनाथ शिंदे की शिवसेना ही है। यही कारण है कि आज हमें अपार जनसमर्थन मिल रहा है।

असम में बाढ़ः अमित शाह ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा से बात की, मदद का दिया भरोसा

एजेंसी

गुवाहाटी । असम में बाढ़ के बीच, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य को केंद्र से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। बाढ़ की वजह से कई जिलों के 22,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए सीएम सरमा ने बताया कि गृह मंत्री शाह ने फोन पर उनसे बात की और बाढ़ की स्थिति, खासकर सबसे ज्यादा प्रभावित धेमाजी जिले के हालात के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा कि मैं गृहमंत्री अमित शाह का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने फोन करके धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में पूछा। मैंने उन्हें अभी चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हर संभव मदद और सहयोग का भरोसा भी दिलाया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, असम और पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण छह जिलों धेमाजी, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, चिरांग,

लखीमपुर और कोकराझार में 22,124 लोग प्रभावित हुए हैं। धेमाजी सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बना हुआ है जहां लगातार बारिश से इलाके के बड़े हिस्से में पानी भर जाने के कारण 15,483 लोग बाढ़ की मार झेल रहे हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार बाढ़ का पानी 96 गांवों में घुस गया है और लगभग 1,690 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। इससे फसलें प्रभावित हुई हैं और हजारों किसानों की आजीविका पर असर पड़ा है। प्राधिकरण ने यह भी बताया कि इस बाढ़ के दौरान 48,199 पशु भी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ बुलेटिन में आगे बताया गया है कि शिवसागर जिले में दिसांग नदी नांगलामुराघाट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे भारी बारिश जारी रहने पर निचले इलाकों में और ज्यादा पानी भरने का डर पैदा हो गया है। इस बीच, भारी बारिश और कटाव के कारण धेमाजी जिले में सिमेन नदी पर बना रेलवे पुल आंशिक रूप से ढह गया, जिससे इलाके में रेल संपर्क बाधित हो गया है।

नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने आर्चीपाथर और सिमेन चपारी स्टेशनों के बीच ट्रेनों की आवाजाही रोक दी है। 110 मिमी से ज्यादा बारिश के कारण जबरदस्त बाढ़ आ गई और नदी के किनारे का वह बड़ा हिस्सा बह गया जो पुल के एक खंभे (पियर) को सहारा दे रहा था। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित जिलों में राहत और पुनर्वास कार्य चल रहे हैं जबकि लगातार बारिश के पूर्वानुमान के बीच प्रशासन अलर्ट पर है।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज, जबरन वसूली का आरोप

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्थ चटर्जी के खिलाफ जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पूर्व पार्षद धनश्री वाघ और उनके साथियों तिलक भट्टाचार्य और सुदीप घोष का नाम भी इसी तरह के आरोपों वाली शिकायत में शामिल किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना वर्ष 2020 की है, जो शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में पार्थ चटर्जी की प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा गिरफ्तारी से दो साल पहले हुई थी। ' ठाकुरपुकुर रोड की रहने वाली शिकायतकर्ता का दावा है कि वह डर के कारण पहले पुलिस के पास नहीं जा सकी, क्योंकि उस समय तृणमूल कांग्रेस सत्ता में थी। राजनीतिक हालात बदलने के बाद उन्होंने पार्थ चटर्जी, धनश्री वाघ, तिलक भट्टाचार्य और सुदीप घोष के खिलाफ ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू हुई। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया कि उनके ससुर, जो भाजपा कार्यकर्ता थे। उन्हें एक स्थानीय घटना से जुड़े मामले में झूठा फंसाया गया था, जिसमें एक युवक घायल हो गया था। घटना स्थल पर मौजूद न होने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पहले उन्हें पुलिस हिरासत में भेजा गया और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जब परिवार ने विरोध किया तो आरोप है कि चटर्जी और स्थानीय पार्षद ने उन्हें बुलाया और चुप रहने के लिए दबाव डाला। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पारिवारिक व्यवसाय में लगभग छह महीने तक रुकावट आई, जिससे करीब 40 लाख रुपए का नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन पर कोई भी कानूनी मदद न लेने का दबाव डाला गया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि धनश्री ने उनके ससुर को रिहा कराने का वादा करके उनके पति से 25 लाख रुपए ऐंठे।

'सहकार से समृद्धि-सहकारिता सप्ताह 2026' का भव्य शुभारंभ, रेखा गुप्ता ने सहकारिता जागरूकता वैन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सहकार से समृद्धि सहकारिता सप्ताह 2026' का दिल्ली सचिवालय परिसर में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सहकारिता जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा रंग - बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर सप्ताहभर चलने वाले जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद, सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सहकारिता जागरूकता वैन को दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। इसके साथ ही दिल्ली सचिवालय परिसर में नुक्कड़ नाटक, जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सहभागिता, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा

कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र को जन-जन तक पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सहकारिता सप्ताह के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिक सहकारी गतिविधियों से जुड़ेंगे तथा समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहकारिता को आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं एवं पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं को अधिक उत्तरदायी, सक्षम और जन-केंद्रित बनाना है, ताकि नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें तथा सहकारिता के माध्यम से आर्थिक समृद्धि को नई गति मिल सके। उन्होंने कहा कि सहकारिता सप्ताह के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान, सहकारिता जागरूकता वैन, वृक्षारोपण अभियान, सेमिनार, पैनल चर्चा, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन क्विज प्रतियोगिताएं तथा अनेक जनसहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के अंतर्गत लगभग 10,000 पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही सहकारी संस्थाओं, विशेषज्ञों एवं नागरिकों की सहभागिता से सहकारिता को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक संवाद भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारदर्शिता, सामूहिक उत्तरदायित्व और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक नागरिक सहकारिता से जुड़ें और उसके माध्यम से अपने आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा दें।

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान में समन्वय कर बनाएं समग्र विकास की राह -राज्यपाल

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्राचीन भारत में आठ लाख गुरुकुल थे। इनमें व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाता था। गुरुकुल में समग्र जीवन से जुड़ा ज्ञान विद्यार्थियों को मिलता था। इसमें नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया गया था। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान से आधुनिक विज्ञान के विकास के समन्वय से भारत के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है। बागडे पूर्णिमा विश्वविद्यालय में विद्याभारती के सहयोग से आयोजित 'भारतीय ज्ञान परंपरा-पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार' विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने 16 वीं शताब्दी में महाराणा प्रताप के दरबारी लेखक चक्रपाणी मिश्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने 'विश्व वल्लभ' ग्रन्थ

लिखा। इसमें भू जल की खोज, मौसम की भविष्यवाणी, जल शुद्धिकरण, कुंड निर्माण, बावड़ियां और पर्यावरण संरक्षण की विरल जानकारिया हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रन्थ बागवानी, वृक्ष से संबंधित बीमारियां, उन्हें दूर करने के उपायों, कृषि वानिकी आदि की उन्नत तकनीक पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां लिए है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा की यही विशेषता रही है कि वह युगीन संदर्भों में ऐसी उपयोगी तकनीक से जुड़ी थी, जिसे आज आधुनिक विज्ञान कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से वैदिक परंपरा थी। हमारे यहां शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों पर आधारित नहीं थी बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास से जुड़ी रही है। इसमें नैतिकता को सबसे अधिक प्रमुखता दी गई थी। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने भी गुरुकुल शिक्षा पद्धति से शिक्षा पाई। इसी से वह मर्यादा पुरुषोत्तम हुए। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने दशरथ से राम को आश्रमों में राक्षसों के उत्पात से बचाने के लिए मांग लिया था। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने ही सिखाया कि हिंसा का प्रतिकार कई बार जब उसी भाषा में नहीं दिया जाता तो हिंसा से ग्रस्त डरपोक समाज बनता है। हिंसा का प्रतिकार ही हमारे यहां अहिंसा का सर्वोत्तम मार्ग है। राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजो ने जब देश पर शासन किया तब जो गजेटियर निकाले उनमें यह सामने आया कि हमारे देश में 8 लाख गुरुकुल थे। भारत तब बहुत बड़ा था। पाकिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका आदि भारत में ही थे।

यूपी सरकार 1.04 करोड़ से संवारेगी गोमती नदी का उद्गम स्थल

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य और विंध्य धाम जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के व्यापक विकास के बाद अब प्रदेश सरकार ने जीवनदायिनी मां गोमती नदी के उद्गम स्थल को भी विश्वस्तरीय पर्यटन एवं आस्था केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में पीलीभीत जनपद के पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की कलीनगर तहसील स्थित गोमती उद्गम स्थल के विकास के लिए पर्यटन विभाग ने 1.04 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत की है। इसके तहत प्रथम चरण में 78 लाख रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह स्थल धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन का नया आकर्षण बनेगा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मानव सभ्यता का विकास सदैव नदियों के तटों पर हुआ है। प्रदेश की जीवनदायिनी एवं सांस्कृतिक आस्था की प्रतीक गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत जनपद के माधोटांडा ग्राम के समीप गोमत ताल (पूर्व नाम फुलहर झील) से होता है। सनातन परंपरा में अत्यंत प्रतिष्ठित गोमती नदी प्रदेश के विशाल भूभाग को सिंचित करते हुए करोड़ों लोगों के जीवन और आजीविका का आधार है।

उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा गोमती उद्गम स्थल को एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए आधुनिक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। इसके तहत लगभग 48.69 लाख रुपए की लागत से बहुउद्देशीय हॉल बनाया जाएगा, जबकि 13.44 लाख रुपए से आधुनिक शौचालय ब्लॉक और 9.45 लाख रुपए से शेड का निर्माण कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इंटरलॉकिंग मार्ग, आकर्षक उद्यान एवं सौंदर्यीकरण, सोलर-आधारित सुविधाओं, अन्य यात्री सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) को मिली है। गोमती नदी को सनातन परंपरा में विशेष सम्मान प्राप्त है। इसका उद्गम पीलीभीत जनपद के माधोटांडा क्षेत्र स्थित पौराणिक फुलहर झील (गोमत ताल) से होता है। लगभग 960 किलोमीटर की यात्रा करते हुए यह नदी पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर और जौनपुर आदि जनपदों को जीवन प्रदान करती हुई अंततः गाजीपुर जिले में गंगा नदी में समाहित हो जाती है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर, मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

मैक्सिको (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी

यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

न्यूजीलैंड / इंग्लैंड : टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क । टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका

इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। अब इंग्लैंड में सीरीज जीतकर लैथम ने लगातार दुनिया की दो सबसे कठिन विदेशी चुनौतियों को जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

'बैजबॉल' नहीं, पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट से मिली सफलता

सीरीज जीतने के बाद टॉम लैथम ने कहा कि यह न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे दौरे में अनुशासन और धैर्य के साथ प्रदर्शन किया। लैथम ने इंग्लैंड की आक्रामक 'बैजबॉल' रणनीति पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टीम ने पारंपरिक टेस्ट क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल की और यही जीत की सबसे बड़ी वजह रही।

बेन स्टोक्स को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाला खिलाड़ी'

मैच के बाद टॉम लैथम ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट को नई दिशा दी और उनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। लैथम ने कहा, 'बेन स्टोक्स पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इंग्लैंड क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। हम उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

फीफा विश्वकप : पैराग्वे ने पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को 4-3 से हराकर किया हैरान

बोस्टन (एजेंसी)। पैराग्वे ने फीफा विश्वककप फुटबॉल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबल पेनाल्टी शूटआउट में चला गया जहां पैराग्वे ने बाजी मार ली।

पैराग्वे की ओर से मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसके बाी जर्मनी ने पलटवार करते हुए दूसरे हाफ के 52वें मिनट में काई हावट्र्ज़ के गोल से मुकाबला 1- से बराबरी पर ला दिया।

वहीं अतिरिक्त समय में जर्मनी ने जोनाथन टाह के हेडर से गोल कर 2-1 की बढ़त बना ली थी पर वीडियो असिस्टेंट रेफरी की समीक्षा में फाउल होने के कारण ये गोल अमान्य कर दिय गया। जिससे मुकाबला फिर बराबरी पर पहुंच गया। ऐसे में पेनल्टी शूटआउट का अवसर दिया गया। जिसमें पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो गोल रोक दिये। वहीं जोस कैनाले ने सडन डेथ में पेनल्टी को गोल में बदलकर पैराग्वे को 4-3 से शानदार जीत दिलाई। इससे पहले विश्वकप में दोनो टीमों के बीच साल 2002 में मुकाबला हुआ था। तब जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। अब करीब 24 साल बाद पैराग्वे ने जर्मनी को हराकर उस हार का बदला ले लिया है। पैराग्वे का समाना अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

–वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत– श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड– हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान : स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोघणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने। स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है।

विंबलडन टेनिस 2026: सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिय में लिखा, ' स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।卐 उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, 卐एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।'

एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

-15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की गयी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है।

17 वर्षीय युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे।

भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

टीम इस प्रकार है– हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पटिल* (फिटनेस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

महिला क्रिकेट को सभी विभागों में सुधार करना होगा : मजूमदार

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि टीम को अभी खेल के तीनों विभागों बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरुरत है। अमोल के अनुसार टीम टी20 विश्वकप में इन सभी क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पारी जिसके कारण ही उसे हार का सामना करना पड़ा है। साथ ही कहा कि टीम का सामूहिक प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जिसकी ऐसे बड़े टूर्नामेंट में उम्मीद की जाती है। मजूमदार ने भविष्य की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमें अपनी रणनीति और अपने टी20 खेल पर नए सिरे से विचार करना होगा।

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

–सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं।इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि

न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।

हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अब अपने करियर में एक बार फिर नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ लेने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, वह निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। राही वही फिल्मकार हैं, जिन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'तुम्बाड' के जरिए भारतीय हॉरर सिनेमा को नया आयाम दिया था। सूत्रों के अनुसार, जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। जाह्नवी फिलहाल कई स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं, लेकिन इस हॉरर प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि बताई जा रही है। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसे क्रिएचर हॉरर की श्रेणी में रखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्री-प्रोडक्शन और शुरुआती तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी राय

मैं आसानी से माफ कर देती हूं

अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी रॉय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

बातचीत में मौनी रॉय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी और आज भी करती हूं, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी। उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्ट्रेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है। साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया। उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूं, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूं।

'अब होगा हिसाब' में नजर आई मौनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार 'अब होगा हिसाब' में नजर आई हैं। इसमें उनके साथ शाहिर शेख, संजय कपूर और अविनाश मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले मौनी वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आई थीं।

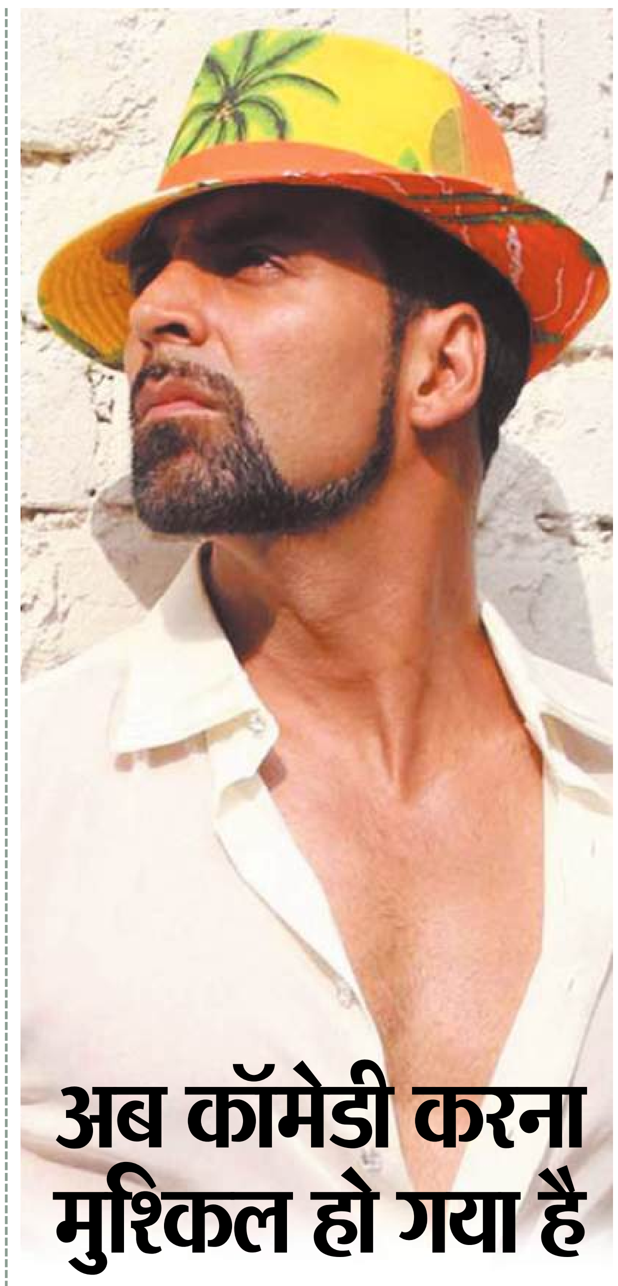

अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड-अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं।

आज हर जगह रील्स और मीम्स के जरिए कॉमेडी कंटेंट मौजूद है बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है; यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लैपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड-अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं। अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते-सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड-अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है।

इमरान हाशमी की फिल्म 'रूह' की हुई घोषणा

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

सुपर सुब्बू का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।

सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो।

किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता

अली फजल इन दिनों वेब सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अली ने अपने रोल और इस सीरीज के बारे में बातें साझा कीं।

इस सीरीज को हां करने की वजह क्या रही?

यह कहानी आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। हालांकि इसकी प्रेरणा एक कुख्यात केस से ली गई है, जो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। दिल्ली उस दौर की तुलना में काफी बदल चुकी है, लेकिन उस समय के कई लोग आज भी मिलते हैं और बताते हैं कि तब क्या-क्या हुआ था। हाल ही में किसी ने मुझे बताया कि उस केस के दोनों आरोपी मुंबई के जेवीपीडी इलाके में भी देखे गए थे। यही बात इस मामले को और चौंकाने वाली बनाती है। साथ ही यह सवाल भी उठता है कि आज ऐसे कितने मामले हो रहे हैं। मेरे हिसाब से सिनेमा की जरूरत तब पड़ती है, जब लोगों को जागरूक करना हो कि एक परिवार के साथ जो हुआ, वह किसी और के साथ न हो। वहीं, जय प्रकाश का किरदार मुझे बहुत दिलचस्प लगा।

सब-इंस्पेक्टर के किरदार में ढलने के लिए आपने क्या-क्या किया?

इस किरदार को गढ़ने में मेरी पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा। हम सभी ने इस पर काफी रिसर्च की और बहुत पढ़ाई की। शुरुआत में हमने सिर्फ सीन पढ़े, फिर धीरे धीरे किरदार की दुनि दुनिया में उतरते गए। हमने समझने की कोशिश की कि अगर यह उस दौर का व्यक्ति है, तो उसकी फितरत कैसी होगी, उसकी आदतें क्या होंगी। कहानी इमरजेंसी के बाद के समय की है, इसलिए उस दौर में पुलिस कैसे काम करती थी? इस पर भी काफी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर उस समय दिल्ली में कॉन्स्टेबल्स को शॉर्ट्स पहनने से मना कर दिया गया था। लोगों की भाषा भी काफी पुख्ता थी और वे ज्यादातर हिंदुस्तानी में बात करते थे। मेरे हिसाब से इन सभी पहलुओं को गहराई से समझना इस किरदार की तह तक पहुंचने के लिए बेहद जरूरी था।

दर्शकों पर इस सीरीज का क्या प्रभाव पड़ा?

मुझे लोगों से बहुत अलग-अलग और दिलचस्प प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। आमतौर पर ऐसी कहानियों में या तो सिर्फ अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया जाता है या फिर पुलिस का, लेकिन इस सीरीज में दोनों के बीच संतुलन रखा गया है। मेरे लिए इसकी सबसे अहम बात 'वर्दी की बंदिश' है। जब आप वर्दी पहनते हैं तो आपके काम करने की एक सीमा तय हो जाती है और आपको उसी दायरे में रहकर काम करना पड़ता है। लोगों को लगता है कि पुलिस के पास बहुत आजादी होती है, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती। इस सीरीज में मेरा किरदार भी एक आम इंसान की तरह नजर आता है जो इस केस को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश करता है।

शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

मेरे अनुसार शूटिंग करीब डेढ़ से दो महीने तक चली। हमारे निर्देशकों की यह स्पष्ट इच्छा थी कि हम वास्तविक लोकेशनों पर ही शूटिंग करें और सेट न बनाए जाएं। इसलिए ज्यादातर शूट असली स्थानों पर हुआ। हमने काफी शूटिंग आगरा और उसके आसपास के इलाकों में की। इसके बाद मुंबई में काम किया और फिर मुख्य शूटिंग दिल्ली में हुई। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली का शेड्यूल मार्च में रखा गया था, जब वहां काफी गर्मी रहती है।

क्या आज के समय में स्टार कास्ट से ज्यादा फिल्म की कहानी केंद्र में आ रही है?

जी, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। जिस दिन कहानी किसी फिल्म की असली हीरो बन जाएगी, उस दिन पूरा खेल बदल जाएगा। उसके बाद अगर उस कहानी के साथ अच्छे कलाकार जुड़ जाएं, तो बात और बेहतर हो जाती है। मेरा मानना है कि अगर कहानी मजबूत नहीं है, तो सिर्फ किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता। इसके अलावा मैं किसी भी स्क्रिप्ट का चयन काफी सोच-समझकर करता हूं।

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 4 नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं।

पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं।

बचाव के उपाय

- खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।
- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

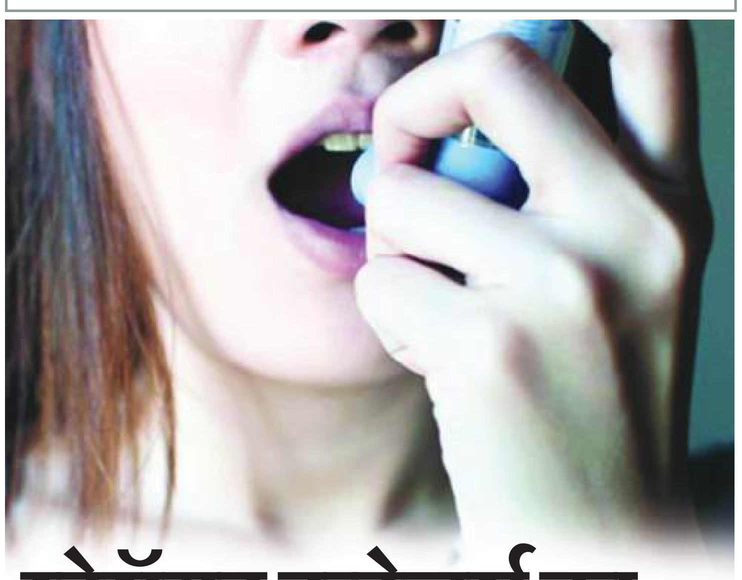

स्टेरॉयड इन्हेलर्स का उपयोग रोकने से अस्थमा के बिगड़ने का खतरा

मौजूदा महामारी में सेहत व स्वास्थ्य को महत्व देना होगा। यह खासकर तब बहुत जरूरी है, जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या फिर आपको किसी बीमारी का इतिहास है। अस्थमा इन्हीं में से एक है। अस्थमा बिगड़ने का मुख्य कारण श्वास की नली में वायरल संक्रमण होना है। अस्थमा के जोखिम वाले लोगों या फिर मौजूदा अस्थमा पीड़ितों के लिए सांस की नली में वायरल संक्रमण बहुत घातक हो सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार सामान्य या फिर गंभीर अस्थमा के मरीजों को बीमारी के और ज्यादा गंभीर होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में लगभग 93 करोड़ लोग सांस की क्रोनिक समस्या से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 37 करोड़ एस्थमेटिक हैं। अस्थमा के वैश्विक भार में भारत का हिस्सा केवल 11.1 प्रतिशत है, जबकि विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत है, जिस वजह से भारत दुनिया की अस्थमा कैपिटल बन गया है। अस्थमा पर सांस के वायरस के प्रभाव के चलते यह बहुत आवश्यक हो गया है कि मौजूदा समय में अस्थमा पीड़ित बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। वायरस निर्मित समस्याओं की रोकथाम के लिए अस्थमा को अच्छी तरह से नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है।'' मौजूदा समय में किसी बीमारी के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग या अत्यावश्यक इलाज के लिए जाना पड़ता है ,जहां पर मरीज को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अस्थमा पीड़ितों को कभी भी अपने कॉर्टिकोस्टेरॉयड इन्हेलर तब तक लेना बंद नहीं करना चाहिए, जब तक कोई मेडिकल प्रोफेशनल उनसे ऐसा करने को न कहे। स्टेरॉयड इन्हेलर का प्रयोग बंद करने से मरीज को संक्रमण का ज्यादा खतरा हो जाएगा क्योंकि इससे अस्थमा का नियंत्रण खराब हो जाता है।'' यदि अस्थमा नियंत्रण में है, तो हॉस्पिटल के क्लिनिक जाने से बचें। आप टेलीफोन पर अपने डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें अपनी प्रगति के बारे में बता सकते हैं। एस्थमेटिक मरीजों को बिना योजना के क्लिनिक नहीं जाना चाहिए। सामान्य से गंभीर अस्थमा से पीड़ित लोगों को वायरल संक्रमण से बहुत ज्यादा बीमारी पड़ने का खतरा रहता है। ये संक्रमण आपकी सांस की नली (नाक, गला, फेफड़ों) को प्रभावित करते हैं, अस्थमा का अटैक लाते हैं और इनकी वजह से निमोनिया या एक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज हो सकती है। एक्यूट लक्षणों से आराम के लिए स्पेसर के साथ एमडीआई का उपयोग किया जा सकता है। नेबुलाईजर्स का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें वायरल संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। नेबुलाईजर्स एयरोसोल्स बनाते हैं, जो संक्रमित ड्रॉपलेट्स को कई मीटर तक फैला सकते हैं। आपका डॉक्टर आपको इन विधियों के बारे में परामर्श देगा। सुनिश्चित करें कि आपके पास नॉन-प्रेस्क्रिप्शन दवाईयों एवं सप्लाई का 30 दिनों का स्टॉक हो, ताकि यदि लंबे समय तक आपको घर में रहने की जरूरत पड़े, तो आपको कोई परेशानी न हो।

कई गुणों से भरपूर है
नारियल तेल

नारियल तेल के इस्तेमाल के कई फायदे हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

- नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच माक्र्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।
- नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर का मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होता है।
- नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है। स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।
- आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।
- नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।
- नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।
- खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है।

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और वैसे भी भारतीय रसोईघर में लहसुन से मिल जायेगा । इसमें विटामिन, प्रोटीन, खनिज, लवण और फॉस्फोरस, आयरन व विटामिन ए, बी व सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारें में जानते हैं. लहसुन बैक्टिरीअल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगार साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीडा से इन्फेक्शन को रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहुसन के तेल को गर्म करके दो बूंदें रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। छालनकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एन्टीबैक्टिरीअल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। अगर आप अपने बढते मोटापे से परेशान है तो अपनाएं ये लहसुन की दो कलियां को अच्छे से भून लें और फिर उसमें जीरा सैंधा नमक मिलाकर चूर्ण बना लें। इसको आप रोजाना खाली पेट गर्म पानी से लें। कुछ ही दिनों में मोटापा कम हो जाएगा।

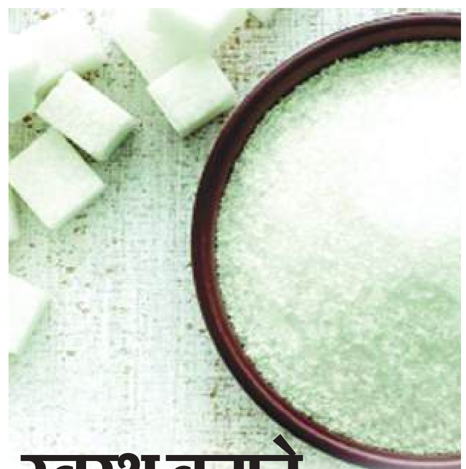

स्वस्थ बनाने के साथ सुंदरता भी बढ़ाती है चीनी

इस भाग-दौड भरी जिन्दगी में हर किसी के कंधों पर काम की जिम्मेदारी इतनी अधिक हो जाती है। कि यह टेंशन कभी-कभी डिप्रेशन का विक्राल रूप धारण कर लेती है जिससे व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है और ना ही डिप्रेशन से बचने के लिए ढेर सारी दवाइयाँ खाने की जरूरत है। आपको जानकर ताज्जुब हो कि सिर्फ चीनी खाने से ही आपको डिप्रेशन से राहत मिल सकती है।

चीनी का प्रयोग फिकेपन को दूर करने को किया जाता है। जब भी आपको शरीर में थकावट या लो महसूस हो तो शुगर से बने पदार्थो का सेवन करें। यह शरीर में शुगर के लेवल को ठीक कर नई ऊर्जा देता है। जैसे फ्रूड कस्टर्ड, जूस का एक ग्लास, केक का एक टुकडा वगैहर खा कर आप पहले से ज्यादा तरोताजा फील कर सकते हैं।

ब्यूटी बेनेफिट्स

चीनी और नींबू : अगर आप फेस पर कील-मुहांसों से परेशान है तो चीनी में नींबू की कुछ बूंदे मिला ले और इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। अगर आपकी त्वचा धूप की कारण त्वचा काली पड गई है तो 2 चम्मच कॉफी में 1 चम्मच चीनी मिला कर थोडा सा पानी मिलाएं फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे को लगाएं। यकीन मानिये इससे आपको चेहरा साफ और ग्लोंइन हो जाएगा।

सन टैनिंग से परेशान है तो आप चीनी के साथ दही का पेस्ट बना लें फिर इसी पेस्ट से अपने चेहरे को स्क्रब करें, कुछ ही दिनों में सन टैनिंग से राहत मिलेगी।

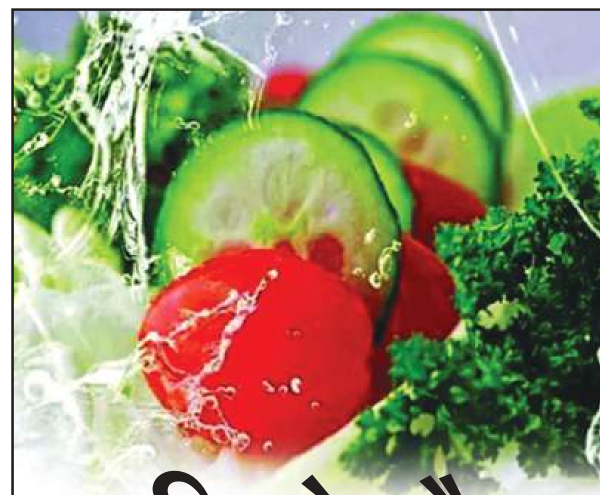

बारिश के मौसम में न करें इन फूड्स का सेवन

बारिश के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इसीलिए इस दौरान हमें खाने-पीने से जुड़ी हुई चीजों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यहां पर आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका बारिश के दौरान सेवन करने से बचना चाहिए।

बारिश के मौसम में न करें इन 5 फूड्स का सेवन होगा, नहीं तो पड़ जाएंगे बीमारबारिश के मौसम में हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें जरा-सी की गई लापरवाही हमारी सेहत के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर देती है। बारिश के मौसम में ज्यादातर लोगों को बीमार पड़ते हुए देखा जाता है क्योंकि गर्मी का मौसम खत्म होने के बाद से तापमान नीचे जाता है और तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नुकसान खाद्य पदार्थों से पहुंचता है और कई प्रकार के फूड्स का सेवन करना बीमारी की प्रमुख वजह भी बन जाता है। इसीलिए यहां पर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका सेवन बारिश के दौरान या फिर सावन के मौसम में आप नहीं करेंगे तो यह आपको बीमारियों से बचाए रखेगा। आपको इसका कारण भी बताया जाएगा कि क्यों इन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

पालक

पालक आपको बारिश के मौसम में भी बड़ी आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसका सेवन ना करने की सलाह दी जाती है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बेहद आसान है। दरअसल बारिश के मौसम में छोटे-छोटे कीटाणु वायरस और बैक्टीरिया जो आंखों से दिखाई भी नहीं देते हैं वह पालक के पत्तों में चिपके रहते हैं। इन कीटाणुओं को भगाने के लिए हानिकारक कीटनाशक का भी प्रयोग किया जाता है, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बैंगन

बारिश के मौसम में कई लोगों के द्वारा बैंगन का चोखा बनाकर भी खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इसका सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, बारिश के मौसम में बैंगन के अंदर छोटे-छोटे कीड़े पड़ना शुरू हो जाते हैं। यह कीड़े पेट दर्द और पेट से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं का प्रमुख कारण भी बन सकते हैं। यही वजह है कि सावन के मौसम में खासकर बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए।

दूध

दूध सेहत के लिए बेहतरीन फायदे पहुंचाता है और हम कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। बारिश के दिनों में दूध का सेवन न करने की सलाह देने के अलग-अलग कारण

बताए जाते हैं। मुख्य रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि बारिश के मौसम में जानवरों को खिलाया जाने वाला हरा चारा बैक्टीरिया और कीटाणुओं का घर बन जाता है। यह दूध की अच्छी क्वालिटी को भी प्रभावित करता है। इस कारण बारिश के दिनों में दूध का सेवन करने से पहले इसे खूब अच्छी तरह उबालना चाहिए। जितना कोशिश हो सके इस दौरान दूध का सेवन करने से बचे रहें और दूध से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की पूर्तिं के लिए किसी अन्य फूड का सहारा लें।

तले-भुने और स्ट्रीट फूड से करें परहेज

तली भुनी हुई चीजों और खासकर स्ट्रीट फूड का सेवन बारिश के दिनों में नहीं करना चाहिए। इनसे भी संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। स्ट्रीट फूड का सेवन करने के कारण आप विभिन्न प्रकार की परेशानी से जूझ सकते हैं। खासकर यदि आप पानीपुरी का सेवन करते हैं तो पानीपुरी का दूषित पानी डायरिया या फिर लूज मोशन की समस्या खड़ी सकता है। इसलिए बारिश के दिनों में खाने पीने की चीजों में विशेष सावधानी जरूर बरतें।

मांस और मछली

मांस और मछली मुख्य रूप से बारिश के दिनों में नहीं खाना चाहिए। सावन के महीने में खासकर इसका सेवन न करने की सलाह दी जाती है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। इस दौरान हवा में भी कई ऐसे हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं जो मांस और मछलियों को दूषित कर देते हैं। इसके अलावा बारिश के दिनों में मछलियों के अंडे देने का वक्त होता है। अंडा एक विशेष प्रकार की फूड एलर्जी का भी गुण रखता है जो गले में इंफेक्शन हो सूजन का मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए बारिश का सीजन खत्म होने तक नॉनवेज फूड का सेवन करने से बचें।